सान्ध्य हिन्दी दैनिक
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 130 | जौनपुर, सोमवार, 05 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

विधानसभा का सत्र आज से शुरू होगा

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नवनिर्वाचित विधानसभा का पहला बजट सत्र सोमवार से शुरू होगा और वित्त वर्ष 2024–25 के लिए राज्य का बजट नौ फरवरी को पेश किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने रविवार को यह जानकारी दी। सिंह ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सत्र की शुरुआत राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन के अभिभाषण से होगी। उन्होंने बताया कि राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा सात और आठ फरवरी को प्रस्तावित है और राज्य के वित्त मंत्री ओपी चौधरी नौ फरवरी को वित्त वर्ष 2024–25 के लिए बजट पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023–24 के लिए तीसरा अनुपूरक बजट सोमवार को सदन में पेश किया जाएगा और इस पर छह फरवरी को चर्चा होगी। सिंह ने कहा कि सत्र में 20 बैठकें होंगी और एक मार्च को इसका समापन होगा। उन्होंने कहा कि रविवार तक विधायकों से प्रश्नों के कुल 2,335 नोटिस प्राप्त हुए, जिनमें से 1,162 तारांकित और 1,173 अतारांकित प्रश्न हैं। सिंह ने बताया कि इसी तरह ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के लिए 10 नोटिस प्राप्त हुए।

आज बहुमत साबित करेंगे चंपई सोरेन

झारखंड, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन विधानसभा में बहुमत साबित करने वाले हैं। इसके लिए उन्होंने आज राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा भी की। बता दें, फ्लोर टेस्ट में भाग लेने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा और उसके सहयोगी गठबंधन के करीब 40 विधायक वापस झारखंड लौट रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद झारखंड में राजनीतिक भूचाल आ गया था। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपने इन विधायकों को पाला बदलने से रोकने के लिए हैदराबाद के पास एक रिसॉर्ट में भेज दिया था। सत्तारूढ़ गठबंधन को विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए 41 का आंकड़ा चाहिए। फिलहाल उनके पास कुल 46 विधायक हैं। इस आंकड़े के साथ सत्तारूढ़ गठबंधन आसानी से फ्लोर टेस्ट पास कर लेगा। बीजेपी और सहयोगी दलों की बात करें तो उनके पास 29 विधायक हैं। बता दें, हेमंत सोरेन भी फ्लोर टेस्ट में भाग लेंगे। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की एक विशेष अदालत ने उन्हें फ्लोर टेस्ट में भाग लेने की इजाजत दी है। ये पहला मौका नहीं है जब झारखंड मुक्ति मोर्चा को फ्लोर टेस्ट से गुजरना पड़ रहा है। इससे पहले सितंबर 2022 में हेमंत सोरेन ने विधानसभा में शक्ति प्रदर्शन किया था। उन्होंने 48 वोटों के साथ फ्लोर टेस्ट पास किया था।

विपश्यना की शिक्षाएं आधुनिक जीवन में तनाव और परेशानी से निपटने में मदद कर सकती - पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विपश्यना प्राचीन भारत का एक अनुपम उपहार होने के साथ ही एक आधुनिक विज्ञान भी है, जिसके जरिये युवा और बुजुर्ग लोगों को जीवन के तनाव और परेशानी से निपटने में मदद मिल सकती है। विपश्यना गुरु एस एन गोयनका के जन्म शताब्दी समारोह पर अपने डिजिटल संबोधन में मोदी ने कहा कि ध्यान और विपश्यना को कभी त्याग के माध्यम के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब यह व्यावहारिक जीवन में व्यक्तित्व विकास का माध्यम बन गया है। मोदी ने कहा, ''वर्तमान समय में युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में तनाव और परेशानी आम है और विपश्यना की शिक्षाएं उनकी समस्याओं का समाधान ढूंढ़ने में मदद कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि एस एन गोयनका 'एक जीवन एक मिशन' के आदर्श उदाहरण थे। मोदी ने कहा कि उनकी शिक्षाएं और समाज कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता एक प्रेरणा स्रोत है, क्योंकि देश विकसित भारत के लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''भगवान बुद्ध से प्रेरित होकर, गुरुजी कहते थे कि जब लोग एक साथ ध्यान करते हैं, तो परिणाम बहुत प्रभावी होता है। एकता की ऐसी शक्ति विकसित भारत का महान स्तंभ है। गोयनका के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों को याद करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दिवंगत विपश्यना शिक्षक शांत और निर्मल गुणों से युक्त थे। मोदी ने कहा, उनका एकमात्र मिशन विपश्यना और अर्जित ज्ञान का सभी तक प्रसार करना था। उनका योगदान मानव जाति के प्रति था। उन्होंने कहा कि विपश्यना प्राचीन भारत का एक अनुपम उपहार और विरासत है, लेकिन इसे भुला दिया गया था। उन्होंने कहा कि विपश्यना आत्म– अवलोकन से आत्म–परिवर्तन तक की यात्रा है और आज सामने आने वाली सभी चुनौतियों का समाधान है। मोदी ने कहा कि योग को दुनिया भर में स्वीकार किया गया है और

पंजाब सीएम ने 11 राष्ट्रीय खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र सौंपे

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उन 11 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र सौंपे, जिन्होंने 40 साल बाद हॉकी में देश के लिए कांस्य पदक जीता था और क्रिकेट और शॉट पुट के क्षेत्र में नाम रोशन किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक अवसर है, जिसके कारण उन्होंने अपने सरकारी आवास में नवनिर्मित सभागार का उद्घाटन इस कार्यक्रम के माध्यम से करने का फैसला लिया है। सीएम ने कहा कि पहले लोग हॉकी खेल के प्रति उदासीन थे, जबकि यह देश का राष्ट्रीय खेल था। लेकिन अब सरकार ने देश और राज्य दोनों में खेल का प्राचीन गौरव बहाल कर दिया है। 11 खिलाड़ियों में 9 हॉकी से, 1 क्रिकेट से और 1 शॉट पुट से

शामिल हैं। जिन्हें पंजाब सिविल सर्विसेज (पीसीएस) और पंजाब पुलिस सर्विस (पीपीएस) के लिए नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। जिन खिलाड़ियों को पीपीएस नियुक्त किया गया है, उनमें हॉकी से हरमनप्रीत सिंह, मनदीप सिंह, वरुण कुमार, शमशेर सिंह और दिलप्रीत सिंह हैं, और हरमनप्रीत कौर (क्रिकेट) और तेजिंदर तूर शॉट पुट से हैं। चार हॉकी खिलाड़ियों रूपिंदर पाल सिंह, सिमरनजीत सिंह, हार्दिक सिंह और गुरजंत सिंह को पीसीएस नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में रिवर्स माइग्रेशन की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है।

पोलियोग्रस्त भाइयों से मिल भावुक हुए सीएम योगी

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखनाथ मंदिर में रविवार सुबह आयोजित 'जनता दर्शन' में अपनी दादी के साथ आए दो पोलियोग्रस्त भाइयों को देख मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भावुक हो गए।

उन्होंने इन बच्चों की दादी से इलाज के बारे में पूछा और आश्वस्त किया कि इलाज में किसी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी, इसके लिए सरकार भरपूर सहायता करेगी। इसके लिए योगी ने मौके पर अधिकारियों को निर्देश भी दिया।

मुख्यमंत्री गोरखपुर आए थे और रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में जनता दर्शन में करीब साढ़े तीन सौ लोगों से मुलाकात की। इस दौरान देवरिया जिले के खुखुंदू थाना क्षेत्र के सेखा बभनौली से आईं भागीरथी देवी के साथ उनके दो मासूम पौत्र आयुष (10) और पीयूष (आठ) भी थे, जिन्हें देख योगी उनसे पढ़ाई के बारे में पूछने लगे।

तभी भागीरथी देवी ने बताया कि ये दोनों भाई पोलियोग्रस्त हैं। पांच साल के हुए तो बीमारी का पता चला। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या ये बिलकुल भी नहीं चल पाते हैं तो भागीरथी देवी ने बताया कि सिर्फ दस–बीस कदम तक। इस पर मुख्यमंत्री ने आयुष को चलने का प्रयास करके दिखाने को कहा।

लंगड़ाते हुए वह दो चार कदम चला तो मुख्यमंत्री योगी भावुक हो उठे और भागीरथी देवी से दोनों बच्चों के इलाज के बारे में पूछा। उन्होंने पीजीआई लखनऊ में इलाज चलने की जानकारी दी। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इन बच्चों के इलाज में कोई कमी नहीं आने देंगे, इसके लिए भरपूर सहायता दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से इस मामले को पूरी संवेदनशीलता से देखने और आयुष्मान कार्ड नहीं होने की दशा में कार्ड बनवाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने दोनों भाइयों को दुलार किया और आशीर्वाद भी दिया। इस दौरान भागीरथी देवी ने अगस्त 2023 में अपने बेटे आदित्य चौहान (पोलियोग्रस्त दोनों बच्चों के पिता) की मौत की जांच कराने तथा कुछ लोगों द्वारा जांच की मांग करने पर धमकी देने की शिकायत भी की।

इस पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को त्वरित और निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई का निर्देश दिया। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे लोगों की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित निस्तारण कराएं। यह भी ध्यान दिया जाए किसी को भी परेशान न होना पड़े। जरूरतमंदों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। योगी ने कहा कि अगर कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। हर व्यक्ति की समस्या का निस्तारण समयबद्ध और पारदर्शी रूप से उसकी संतुष्टि के अनुरूप किया जाना सुनिश्चित होना चाहिए।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह मंदिर की गौशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोवंश का हाल जाना और उन्हें अपने हाथों से गुड़–रोटी खिलाया। गोशाला का भ्रमण कर मुख्यमंत्री योगी ने गोवंश को उनके विभिन्न नामों से पुकारा।

उनकी आवाज सुनते ही गोवंश उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री योगी ने उन्हें दुलारकर अपने हाथों से उन्हें गुड़–रोटी खिलाया।

मुख्यमंत्री ने गौशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य और पोषण की जानकारी ली।

योजनाबद्ध तरीके से लोकतांत्रिक संस्थानों को कमजोर कर रही केंद्र सरकार - खरगे

केरल, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को केरल से लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य प्रशासन में उसका हस्तक्षेप और राज्यों की राजनीतिक स्वायत्तता को कमजोर करने का उसका प्रयास संघवाद के सिद्धांतों को कमजोर करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार योजनाबद्ध तरीके से लोकतांत्रिक संस्थानों को कमजोर कर रही है। ईडी, सीबीआइ व आयकर जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं के विरुद्ध हथियार के तौर पर किया जा रहा है। केरल कांग्रेस की ओर से आयोजित पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं की एक सभा में खरगे ने जोर देकर कहा, श्हमें अपने अधिकारों की रक्षा करने और अपने देश के लोकतांत्रिक ताने–बाने को बचाए रखने के लिए एकजुट रहना चाहिए।

भाजपा सरकार पर कांग्रेस का आरोप

कांग्रेस पार्टी केरल में यूडीएफ गठबंधन के साथ इन हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल के नेताओं में पंडित जवाहरलाल नेहरू जैसे राजनीतिक कौशल की कमी है। देश के पहले प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां स्थापित की थीं और वर्तमान प्रधानमंत्री उन्हें खत्म कर रहे हैं। भाजपा सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र को पूरी तरह खत्म करने और सिर्फ निजी क्षेत्र को मदद उपलब्ध कराने का फैसला किया है।

पूरी तरह नष्ट कर दिया

देश में महंगाई और बेरोजगारी ने गरीबों, निम्न मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में देश में मौजूद महंगाई और बेरोजगारी ने गरीबों के संघर्ष को और बदतर कर दिया है। गरीबों और रईसों की बीच की खाई दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। रईस और रईस हो रहा है एवं गरीब और गरीब होता जा रहा है। महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम में मोदी के हालिया संबोधन का जिक्र करते हुए खरगे ने राज्य की महिलाओं से अपील की कि वे भाजपा की पैतरों से सावधान रहें।

मोदी की गारंटी `बेरोजगारी की गारंटी' है – प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने रिक्त सरकारी पदों को लेकर रविवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी ''बेरोजगारी की गारंटी'' है। कांग्रेस महासचिव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आंकड़ों के अनुसार, देश में करीब 30 लाख सरकारी पद खाली हैं।

उन्होंने आरोप लगाया, ''हमारे करोड़ों युवा नौकरियों का इंतजार कर रहे हैं लेकिन पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने इन पदों को भरने के लिए दिखावे के सिवा कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि जुलाई 2022 में सरकार ने संसद को जानकारी दी थी कि आठ साल में

22 करोड़ युवाओं ने नौकरी के लिए आवेदन किया लेकिन नौकरी मिली मात्र सात लाख युवाओं को। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसका मतलब है कि लगभग 21.93 करोड़ योग्य युवा बेरोजगार रह गए। प्रियंका ने आरोप लगाया, ''सालाना दो करोड़ नौकरियों का वादा करने वाली भाजपा सरकार न पहले से मौजूद नौकरियां दे पायीं, न ही नए रोजगार सृजित कर सकी। प्रधानमंत्री जी चुनावों में गारंटी देते हैं। असल में उनकी गारंटी–बेरोजगारी की ही गारंटी है। कांग्रेस महासचिव ने शुक्रवार को आरोप लगाया था।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने तीन पुलों का उद्घाटन किया

उत्तर प्रदेश, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को ऑनलाइन माध्यम से लखीमपुर खीरी में तीन नये पुलों का उद्घाटन किया। गडकरी ने 297 करोड़ रुपये की लागत से बने जिन आरओबी का उद्घाटन किया वे पीलीभीत–बस्ती राष्ट्रीय राजमार्ग पर छाउछ चौराहे, एलआरपी चौराहे और राजापुर चौराहे पर बनाये गये हैं। केंद्रीय मंत्री ने एलआरपी क्रॉसिंग पर आयोजित एक कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए क्षेत्रीय सांसद और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्र की सराहना की और कहा, '' इन तीन पुलों को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा की पहल पर बनवाया गया है। उन्होंने कहा कि यह तीनों पुल 2024 के निर्धारित समय से दो माह पहले जनवरी में ही बनकर तैयार हो गए।

इनके बन जाने से यातायात सुगम होगा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने इस मौके पर अपने संबोधन में पुल बनवाने के अनुरोध को स्वीकार करने और रिकॉर्ड समय में इसे बनवाने के लिए गडकरी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि तीन और पुल प्रस्तावित हैं। इनमें से एक घाघरा नदी पर, दूसरा शारदा नदी पर और दूसरा गोला नगर में बनेगा।

बार्डर को मर्यादा सीमा नहीं, मीटिंग प्वाइंट बनाना होगा - अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमनवेल्थ लीगल एजुकेशन एसोसिएशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय एटार्नी एंड सॉलिसिटर जनरल कान्फ्रेंस के समापन समारोह में गृह मंत्री अमित शाह ने सीमा पार की न्यायिक चुनौतियों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि अपराध और व्यापार, दोनों ही आज भौगोलिक सीमा को पार कर चुके हैं। अपराध को नियंत्रित करने और व्यापार को बढ़ाने के लिए सिर्फ राष्ट्रमंडल देशों को ही नहीं, बल्कि विश्व के सभी देशों को मिलकर आगे काम करना होगा। उन्होंने जोर दिया कि अपराध और व्यापार के लिए बॉर्डर को मर्यादा सीमा नहीं, मीटिंग प्वाइंट बनाना होगा।

भारत में लोकतंत्र की भावना और संविधान की जड़ें कितनी गहरी

विज्ञान भवन में आयोजित कान्फ्रेंस में रविवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु की मौजूदगी में मुर्मु की ही बात को दोहराते हुए अमित शाह ने दावा किया कि पिछड़े क्षेत्र के आदिवासी वर्ग के व्यक्ति का राष्ट्रपति पद तक पहुंचना बताता है कि भारत में लोकतंत्र की भावना और संविधान की जड़ें कितनी गहरी हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह कान्फ्रेंस ऐसे समय में हो रही है, जब भौगोलिक सीमा का विश्व में कोई महत्व नहीं रहा है। न कामर्स के लिए रहा है और न ही क्राइम के लिए। हमें इससे निपटना है तो कोई न कोई नई व्यवस्था और परंपरा शुरू करनी होगी। गृह मंत्री ने वैश्विक न्यायिक चुनौतियों और

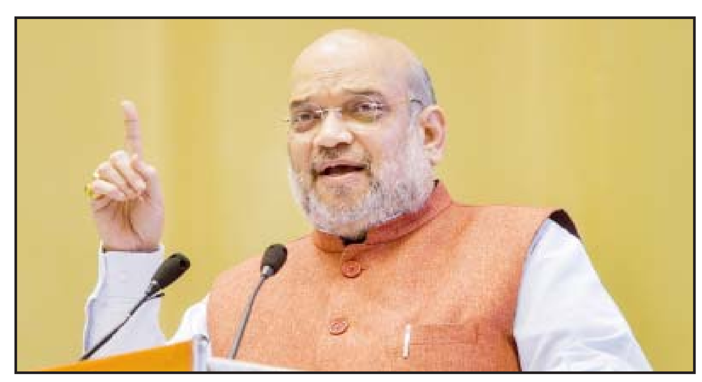

संस्थागत पहुंच को सबसे प्रासंगिक और महत्वपूर्ण बताते हुए जोर दिया कि इस पर आगे भी काम होना चाहिए। यदि इस पर अकादमिक चर्चा होकर रह जाती है तो इसका कोई मतलब नहीं है। इससे संबंधित कार्यवाही के बिंदुओं को कानून निर्माता एजेंसियों के साथ साझा कर आगे बढ़ना चाहिए। गृह मंत्री ने कहा कि छोटे साइबर फ्रॉड से लेकर वैश्विक संगठित अपराध, स्थानीय सीमा विवाद से लेकर वैश्विक सीमा विवाद तक और स्थानीय अपराध से लेकर अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का जुड़ाव भी गहरा हो चुका है।

संपादकीय

सम्पूर्ण जीर्णोद्धार की राह पर कांग्रेस

स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाली कांग्रेस पार्टी इन दिनों एक साथ कई मोर्चों पर संघर्षरत है। सत्ता का विपक्ष के प्रति 'दुश्मनों' जैसा व्यवहार जहाँ कांग्रेस व कांग्रेस नेताओं के लिये चुनौती बना हुआ है वहीं कांग्रेस अपनी पार्टी में ही पल रहे 'आस्तीन के साँपों ' से भी जूझ रही है। अनेक अवसरवादी नेता समय समय पर किसी न किसी बहाने से न केवल कांग्रेस छोड़कर बल्कि कांग्रेस की राजनैतिक विचारधारा को भी त्याग कर धर्मनिरपेक्ष भारत के निर्माण में अपना योगदान देने के बजाय साम्प्रदायिकता की डुगडुगी पीटने में लगे हैं। अनेक भ्रष्ट कांग्रेसी नेता भी पार्टी छोड़कर भयवश सत्ता की आगोश में जा बैठे हैं और किसी जांच एजेंसी का सामना करने के बजाये सुविधापूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि नवगठित ९. छ. व. ९. । गठबंधन के कई क्षेत्रीय घटक दल भी सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस को कमतर आंकने की कोशिश कर रहे हैं। गोया ऐसे वक्त में जबकि ९. छ. व. ९. । गठबंधन को एकजुट व मजबूत होने का सन्देश देना चाहिये ऐसे वक्त में कई विपक्षी क्षेत्रीय दल भी कांग्रेस का ही हौसला पस्त करने में लगे हैं। उधर इन्हीं विषम परिस्थितियों में राहुल गांधी मणिपुर से मुंबई तक की लगभग 6,700 किलोमीटर की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकल चुके हैं। इस यात्रा की शुरुआत में ही ९. छ. व. ९. । गठबंधन के प्रारंभिक सूत्रधार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ 'खेला ' हो गया और वे अपने पुराने केंचुल में जा बसे। असम में न्याय यात्रा को राज्य सरकार का कदम कदम पर तरह तरह का विरोध सहना पड़ा। कहीं यात्रा के इजाजत नहीं मिली तो कहीं पुलिस में राहुल के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज हुई। यहाँ तक कि बंगाल में जहाँ भारत जोड़ो न्याय यात्रा को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सहयोग व समर्थन मिलना चाहिये वहां भी वीरभूमि और मुर्शिदाबाद जैसे जिलों में परीक्षा के बहाने यात्रा की अनुमति नहीं दी गयी। सीट शेयरिंग के नाम पर भी ममता बनर्जी अपना स्टैंड लगभग साफ कर चुकी हैं कि वे बंगाल की सभी 42 लोकसभा सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़ेंगी। इसके पहले ममता ने कांग्रेस को मात्र दो सीटों देने का प्रस्ताव किया था जो कांग्रेस ने नामंजूर कर दिया है। इतना ही नहीं बल्कि ममता ही यह भी कह चुकी हैं कि कांग्रेस यदि 300 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ती है तो इनमें से 40 सीटें भी नहीं जीत सकती। उत्तरप्रदेश में भी कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से 20 सीटें मांगी थीं। परन्तु अखिलेश यादव ने कांग्रेस को केवल 11 सीटें देने की ही घोषणा की। अब खबर है कि कांग्रेस व सपा में 13 सीटों पर सहमति बन चुकी है। इसी तरह दिल्ली में तो आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस की सीट शेयरिंग की खबर है जिसके अनुसार कांग्रेस 4 पर जबकि आम आदमी पार्टी 3 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। परन्तु संभवतः पंजाब में इन्हीं दोनों दलों में सीट शेयरिंग न हो सके और दोनों दल आमने सामने चुनाव लड़ें। आम आदमी पार्टी तो हरियाणा, असम, गुजरात और गोवा में भी कांग्रेस से सीटें मांग रही है। परन्तु इन सबसे इतर असम हो या बंगाल या बिहार अथवा झारखण्ड जहाँ से भी राहुल गाँधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा गुजर रही है लगभग हर जगह कांग्रेस पार्टी को भारी जनसमर्थन हासिल हो रहा है। कहीं कहीं तो जनसभाओं में लाखों की भीड़ इकट्ठी होकर राहुल गाँधी व कांग्रेस नेताओं की बातों को सुन रही है। परन्तु चाटुकार गोदी मीडिया ने राहुल गाँधी के नेतृत्व में चल रही इस भारत जोड़ो न्याय यात्रा को पूरी तरह ब्लैक आउट कर रखा है। गोदी मीडिया को इंडिया गठबंधन में किसी तरह की मनमुटाव की खबरों को तो मिर्च मसाला लगाकर परोसने में खूब मजा आता है परन्तु उसे राहुल गाँधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा में उमड़ती भीड़ व उसकी सफलता नजर नहीं आती। इससे पहले भी जब राहुल ने 7 सितम्बर 2022 को कन्याकुमारी से कश्मीर के लिये यात्रा निकली थी तब भी गोदी मीडिया ने कोई तवज्जोह नहीं दिया था। गठबंधन में अनेक सहयोगी दलों के नखरे,सत्ता का दबाव और साथ ही कांग्रेसी 'विभीषणों ' का सामना और इसी बीच भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान ही राहुल गाँधी का कांग्रेस द्वारा अपनाए गए सिद्धांतों की रक्षा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुये यह कहना कि– 'मैं चाहता हूं कि हिमंत बिस्वा सरमा और मिलिंद देवड़ा जैसे लोग कांग्रेस से चले जाएं, मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं। हिमंत एक विशेष प्रकार की राजनीति का प्रतिनिधित्व करते हैं, यह कांग्रेस पार्टी की राजनीति नहीं है। लिहाजा ऐसे नेताओं को पार्टी से अलग हो जाना चाहिए, क्योंकि वे इसकी विचारधारा से सहमत नहीं हैं।' तमाम नेताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी छोड़कर जाने के दौरान ही राहुल का 'अवसरवादियों ' को दिया जाने वाला स्पष्ट सन्देश अत्यंत महत्वपूर्ण है। कांग्रेस को बचने के लिये राहुल को जिस दौर में थाली के बैंगनों की मान मनौव्वल की कोशिश करनी चाहिये उन्हें राहुल का पार्टी छोड़कर जाने का सीधा सन्देश देने का अर्थ है कि कांग्रेस और नेहरू गाँधी परिवार दोनों ही कांग्रेस की मूल गांधीवादी धर्मनिरपेक्ष विचारधारा का पालन करने के लिये प्रतिबद्ध है। ऐसे में वह जमीर फरोश नेता जिनकी कोई वैचारिक रीढ़ नहीं बल्कि उन्हें सिर्फ सत्ता प्यारी है, उनके लिये कांग्रेस ने बाहर जाने के रास्ते खुले रखे हैं। ममता बनर्जी हों या अखिलेश यादव इन्हें अपनी क्षेत्रीय राजनीति में मजबूत पकड़ पर तो गर्व हो सकता है परन्तु कन्याकुमारी से कश्मीर तक और अब मणिपुर से मुंबई तक जिसतरह कांग्रेस ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान सड़कों पर उतर कर अपना जनाधार प्रदर्शित किया है कोई भी क्षेत्रीय दल तो क्या सत्तारूढ़ भाजपा भी नहीं कर सकती।

आध्यात्मिक अर्थव्यवस्था के लिए नवाचार

सुशील

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दिन, मैंने हर छोटे–बड़े मंदिर में यज्ञ, कीर्तन, पाठ और भंडारे के साथ उत्सव मनाते देखा। शाम को हर घर, दुकान और मंदिर दीपों से जगमगा उठे। ऐसा लगा मानो अयोध्या ने अपना विस्तार कर सम्पूर्ण भारतवर्ष को अपने आगोश में ले लिया है। यह एक आध्यात्मिक पुनरुत्थान है जैसा मेरी पीढ़ी या शायद आजादी के बाद की किसी भी पीढ़ी ने नहीं देखा है। सभी कैमरे अयोध्या पर केंद्रित होने के कारण, मुझे सरयू के तट पर धूल भरे छोटे शहर की याद आ गई, जहां मैं अपनी पुस्तक अयोध्या महात्म्य के लिए शोध करते हुए घूम रहा था। मैं जानता हूं कि जब मैं दोबारा जाऊंगा तो शहर पूरी तरह बदल चुका होगा। नए मंदिर ने उस शहर पर प्रकाश डाला है जो हमेशा पवित्र था, लेकिन सदियों से किसी न किसी कारण से दबा हुआ था। कई अन्य तीर्थ स्थलों का जीर्णोद्धार चल रहा है। इसका उद्देश्य आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना है। हालाँकि, पर्यटन और तीर्थयात्रा में अंतर है। जैसे–जैसे हमारी आबादी बढ़ती है और जैसे–जैसे यात्रा आसान और अधिक किफायती होती जाती है, अधिक से अधिक लोग इन स्थानों पर जाएंगे। उन्हें समायोजित करने के लिए, इन स्थानों को खुद को फिर से आविष्कार करने की आवश्यकता है। तीर्थ स्थलों का जीर्णोद्धार करते समय हमें यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि तीर्थ यात्रियों को क्या चाहिए। जैसे ही मैं भारत की तीर्थ परंपराओं का अध्ययन करता हूं, मुझे एहसास होता है कि तीर्थयात्रियों को धर्मशालाओं में नवाचार की सख्त जरूरत है। हमें अत्याधुनिक धर्मशालाओं की आवश्यकता है जो तीर्थयात्रियों को आरामदायक रहने के साथ–साथ उनके आध्यात्मिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करें। उदाहरण के लिए, उन्हें बुनियादी सात्विक भोजन या तीर्थ स्थानों पर किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के उपवासों के अनुरूप खाद्य पदार्थों की आवश्यकता होती है। उन्हें लंबे समय तक रहने के लिए डिजाइन करने की आवश्यकता है जहां परिवार अपने लिए खाना बना सकें। ऐसे आवास जो परिवारों को एक साथ रहने और प्रार्थना करने की अनुमति देते हैं, उन्हें डिजाइन करने की आवश्यकता है। ये स्थान मुख्य तीर्थ क्षेत्र के निकट स्थित होने चाहिए। लक्जरी होटल दूर हो सकते हैं क्योंकि वहां रहने वाले लोगों के पास आने–जाने के लिए संसाधन होते हैं। ये धर्मशालाएं तीर्थ के समय के अनुसार संचालित हो सकेंगी। उज्जैन की तरह यहां भी सुबह की भस्म के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। काशी आने वाले तीर्थयात्री सुबह जल्दी गंगा स्नान या देर शाम आरती के लिए जाना चाहेंगे। इन्हें ठहरने के हिस्से के रूप में सुविधा प्रदान की जा सकती है। ब्रज में, तीर्थयात्री गौशालाओं का दौरा करना और गायों को चारा खिलाना चाहते हैं। एक सामुदायिक स्थान लोगों को सत्संग, प्रवचन, यज्ञ और प्रार्थना के लिए एक साथ आने की अनुमति देगा। धर्मशालाओं को इस तरह से डिजाइन किया जा सकता है कि बुजुर्गों को घूमने में आसानी हो। उनकी मदद के लिए सेवक और जरूरत पड़ने पर चिकित्सा सहायता की उपलब्धता उन्हें चिंता से मुक्त रखेगी।

सॉफ्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर, जो आध्यात्मिक वातावरण को जोड़ता है, को हार्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित होने के बाद अगले बड़े प्रोत्साहन की जरूरत है। मुझे अयोध्या में कथावाचकों या कथाकारों को कई भाषाओं में रामायण सुनाते हुए देखना अच्छा लगेगा। देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए मंडलों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली राम लीला एक सांस्कृतिक आकर्षण भी होगी। 140 से अधिक देशों में किसी न किसी रूप में रामायण कथाएँ मौजूद हैं। मुझे वाल्मिकी रामायण और इसके सभी संस्करण, विविधताएं, पुनर्कथन आगंतुकों के लिए आसानी से उपलब्ध होते देखना अच्छा लगेगा। हम निश्चित रूप से आगंतुकों के अनुभव को बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर सकते हैं। वाराणसी, द्वारका, कांचीपुरम और उज्जैन जैसे शहरों पर ढेर सारा साहित्य लिखा गया है। हालाँकि, किसी आगंतुक के लिए उन्हें ढूंढना आसान नहीं है जब तक कि कोई उन्हें अस्पष्ट पुस्तकालयों में न ढूँढे। हमें इन स्थानों के इतिहास, हस्तशिल्प, कला, संस्कृति और विरासत को तीर्थयात्रियों के लिए आसानी से उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। तीर्थयात्रा का अभिन्न अंग परिक्रमा या प्रदक्षिणा पथ पर नंगे पैर चला जाता है। नरम मिट्टी के रास्ते पैदल चलने को आरामदायक बनाने में मदद कर सकते हैं जबकि अच्छी रोशनी तीर्थयात्रियों को सुबह जल्दी या रात में चलने की अनुमति देगी। पीने का पानी, जलपान और तीर्थयात्रियों को आराम करने के स्थान जैसी सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। पीने का पानी और खाना मुफ्त मिलना चाहिए।

एक अलग तरह की पार्टी का जबरदस्त उत्साह

आसिफ

भारतीय जनता पार्टी और अन्य भारतीय सत्तारूढ़ दलों, अतीत और वर्तमान के बीच क्या अंतर है? पार्टी के आलोचक जिस लगभग हर राजनीतिक पाप का उस पर आरोप लगाते हैं, वह नियमित रूप से अतीत और वर्तमान में अन्य सत्तारूढ़ दलों द्वारा किया गया है। स्वतंत्र भाषण को दबाना, सभा करने के अधिकार को सीमित करना, निवारक निरोध कानून पारित करना जो राज्य को किसी नागरिक के अधिकारों को रद्द करने की अनुमति देता है, विपक्षी नेताओं को लक्षित करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय जैसे कर अधिकारियों का उपयोग करना, सरकार बनाने के लिए विधायकों को खरीदना, मैत्रीपूर्ण, निष्कर्षण को उपकृत करने के लिए संरक्षित भूमि को नियंत्रणमुक्त करना टाइकून, व्यावसायिक समुदाय से पैसा निचोड़ने के लिए कार्यालय के लीवर का उपयोग करना, सीमावर्ती राज्यों में जानलेवा अर्धसैनिक हिंसा का आदेश देना, पोग्रोम्स को सक्षम करने के लिए पुलिस को तैनात करना, धार्मिक अल्पसंख्यक की पूजा करने या अपने विश्वास को स्वीकार करने की स्वतंत्रता को रोकने के लिए बहुसंख्यकवादी भावना को बढ़ावा देना दृ यह मेनू राजनीतिक दुष्टता कोई नई बात नहीं हैरू कांग्रेस और अन्य लोगों ने अपने कार्यकाल के दौरान इसे बढ़ावा दिया है। तो क्या, अगर कुछ भी है, तो क्या भाजपा को अलग या अधिक खतरनाक बनाता है? पहला कारण सरल है. भाजपा यह सब दूसरों की तुलना में अधिक व्यवस्थित ढंग से करती है। यह महत्वपूर्ण है। भाजपा राज्य की नस–नस का उपयोग न केवल कांग्रेस की तुलना में अधिक प्रभावी ढंग से करती हैय यह उनका अधिक व्यवस्थित ढंग से उपयोग करता है। उदाहरण के लिए, अन्य राजनीतिक दलों के विपरीत, जो राजनीति के लिए बेहिसाब धन के लिए दानदाताओं का दोहन करते थे, भाजपा ने चुनावी बांड की एक प्रणाली बनाई, जिसने इन धन को वैध और गुमनाम दोनों तरह से एकत्र करना संभव बना दिया। इसी तरह, भाजपा न केवल मांस व्यापार में अल्पसंख्यकों की आजीविका पर हमला करके, या मस्जिदों को ध्वस्त करके, या हिजाब पहनने वाली लड़कियों का उदाहरण बनाकर अल्पसंख्यकों को परेशान और डराती हैय यह एक नागरिकता कानून तैयार करता है जो गुप्त रूप से नागरिकता के लिए एक धार्मिक योग्यता पेश करता है और इसे जिज्ञासु दस्तावेज, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के साथ जोड़ता है, जो भारतीय मुसलमानों पर अपनी नागरिकता साबित करने का बोझ डालता है। भाजपा अपनी नीतिगत कल्पना का उपयोग ऐसे ढाँचे तैयार करने के लिए करती है जो उसके एजेंडे को स्वचालित करेंगे, क्योंकि उसका एजेंडा परिवर्तनकारी है, वृद्धिशील नहीं। भाजपा गणतंत्र को फिर से स्थापित करना चाहती है, ताकि पहले गणतंत्र की संस्थागत बाधाओं के भीतर काम करते हुए, वास्तव में, एक दूसरा गणतंत्र बनाया जा सके। राजनीतिक पैंतरेबाजी के लिए जगह हासिल करने के लिए संस्थागत प्रतिबंधों के साथ छेड़छाड़ करने वाली अन्य पार्टियों के विपरीत, भाजपा के पास संविधान सभा द्वारा बनाए गए घर को फिर से डिजाइन करने की अधिक महत्वाकांक्षी योजना है और इसलिए, वह एक राजमिस्त्री की तरह नहीं, बल्कि एक वास्तुकार की तरह सोचती है। नीति और शासन दोनों क्षेत्रों में व्यवस्थित रूप से कार्य करने की भाजपा की क्षमता आंशिक रूप से ऐतिहासिक घटना हैरू नरेंद्र मोदी तब सत्ता में आए जब भारतीय राज्य की अपने नागरिकों पर डेटा इकट्ठा करने की क्षमता डिजिटल क्षमता से सुपरचार्ज हो गई थी। नंदन नीलेकणि द्वारा डिजाइन की गई और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार द्वारा शुरू की गई विशिष्ट पहचान की प्रणाली को भाजपा सरकार ने अपने नागरिकों के जीवन के बारे में जानकारी एकत्र करने के एक तरीके के रूप में अपनाया और प्रचारित किया, इसे लगभग हर राज्य–सामना वाले लेनदेन के लिए अनिवार्य बना दिया। राजनीतिक रूप से लक्षित तरीकों से कल्याणकारी हस्तांतरण करना। मोदी के नेतृत्व में भारतीय राज्य एक डिजिटल लेविथान बन गया है, जो अपने नागरिकों की निगरानी करने की क्षमता में अप्रतिबंधित है। मैंने हाल ही में दिल्ली मेट्रो के लिए एक यात्रा कार्ड खरीदा है। पहले, यह स्टेशन की टिकट खिड़की पर एक साधारण मौद्रिक लेनदेन था, जैसा कि दुनिया की लगभग हर मेट्रो प्रणाली में होता है। अब मुझे एक आधार कार्ड तैयार करना होगा और अपना मोबाइल फोन नंबर स्वेच्छा से देना होगा, जिसे आधार कार्ड खरीदने से पहले एक रजिस्टर में विधिवत नोट किया जाएगा। यह वैसा ही है जैसे न्यूयॉर्क में मेट्रो कार्ड खरीदने के लिए सामाजिक सुरक्षा नंबर देने के लिए कहा जा रहा हो। कार्ड को "नेशन फर्स्ट ट्रांजिट कार्ड" ब्रांड किया गया है और इसे विशिष्ट पहचान संख्या के साथ जोड़ने का एकमात्र संभावित कारण यह है कि राज्य जानना चाहता है कि व्यक्तिगत नागरिक ट्रेनों में कब चढ़ते और उतरते हैं। इसलिए ट्रेनों को समय पर चलाने की तुलना में ट्रेनों में हमारे समय पर टैब चलाना कम है। हालाँकि, भाजपा की डिजिटल ताकत पर ज्यादा जोर देना एक गलती होगी। संघ परिवार अन्य पार्टियों की तुलना में अलग और अधिक खतरनाक है क्योंकि इसने लंबे समय तक काम किया है, जो दुनिया के किसी भी अन्य राजनीतिक संगठन से बेहतर है, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को छोड़कर, जिसकी स्थापना भाजपा के मूल संगठन से सिर्फ चार साल पहले हुई थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ. कांग्रेस के विपरीत, जो लाल बहादुर शास्त्री की असामयिक मृत्यु के बाद राजनीतिक रूप से असंगत हो गई, आरएसएस के अग्रणी संगठनों के पास हमेशा एक राजनीतिक परियोजना होती थी जिसे एक संक्षिप्त वाक्य में संक्षेपित किया जा सकता थारू हिंदू राष्ट्र की स्थापना। दूसरा वाक्य कहे बिना ही रह गयारू इस हिंदू राज्य की नींव संकुचित अल्पसंख्यकों से बनी एक बुनियाद में तब्दील हो जाएगी।

नीतीश कुमार पर चुटकुलों की भरमार

आदित्य

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का वर्णन करने के लिए विभिन्न दलों के राजनेताओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले 'पलटू चाचा', 'पलटू बाबू', 'पलटू राम', 'पलटू कुमार', 'पलटीमार' जैसे विशेषण अब पुराने हो गए हैं। कुमार द्वारा हाल ही में राज्य में ग्रैंड अलायंस से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में कूदने के बाद, एक बार फिर राजनीतिक कलाबाजी में अपनी महारत का प्रदर्शन करते हुए, राजनीतिक हलकों में उन पर चुटकुले खूब चल रहे हैं। एक राजनेता को यह कहते हुए सुना गया कि अब सड़कों पर सामान्य यू–टर्न साइन के बजाय कुमार की तस्वीरों का इस्तेमाल किया जाएगा, जबकि किसी अन्य ने उन्हें पाटलिपुत्र का 'पल्टीपुत्र' नाम दिया। फिर भी एक अन्य ने उन्हें गिरगिटों द्वारा पूजा जाने वाला देवता कहा। हैदराबाद के एक राजनेता ने कुमार को 'तलाक किंग' कहा, जिन्होंने राष्ट्रीय जनता दल और भारतीय जनता पार्टी को बार–बार 'तीन तलाक' दिया था। एक नेता ने पूछा कि कुमार को शपथ पत्र अखबार से क्यों पढ़ना पड़ा जबकि उन्हें कई बार कहने के बाद भी यह शपथ याद होनी चाहिए। दरअसल, इस बार सरकार बनाने का दावा पेश करने से पहले अपने आधिकारिक आवास पर एनडीए की बैठक को संबोधित करते हुए जब कुमार ने कहा कि वह नौवीं बार शपथ लेंगे, तो वहां मौजूद विधायक खूब हंसे। एक और मजाक यह चल रहा है कि बिहार की राजनीति में कुमार ही एकमात्र स्थायी उम्मीदवार हैं, जबकि डिप्टी सीएम बदलते रहते हैं।

मादक तर्क

बिहार के डिप्टी सीएम और बीजेपी राज्य इकाई के प्रमुख सम्राट चौधरी पिछले एक साल से अधिक समय से पहनी गई भगवा पगड़ी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कसम खाई थी कि जब तक नीतीश कुमार सीएम की कुर्सी से नहीं हटेंगे, तब तक इसे नहीं हटाएंगे. लेकिन अयोध्या में मुंडन कराने के तुरंत बाद वह इसे त्याग देंगे। करीबियों का कहना है कि उनकी मन्नत पूरी हुई, इसलिए सिर पर सेहरा बंध सका। लेकिन कई लोगों ने इस पूर्ति पर सवाल उठाए हैं, क्योंकि कुमार अभी भी सीएम हैं और चौधरी उनके साथ उनके डिप्टी में से एक के रूप में शामिल हुए हैं। दूसरों का तर्क है कि एनडीए सरकार का नेतृत्व करने के लिए दोबारा शपथ लेने से पहले कुमार को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। इससे चौधरी द्वारा लगाई गई शर्त पूरी हो गई। हटाने में देरी करने वाली एकमात्र बात यह है कि भाजपा आलाकमान ने मंत्रियों को मार्च तक अयोध्या का दौरा नहीं करने का निर्देश दिया है ताकि वहां जुटने वाले भक्तों की भीड़ को असुविधा न हो। संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने देश में बेरोजगारी की गंभीर स्थिति को उजागर करने के लिए तथ्यों और आंकड़ों का इस्तेमाल किया। असम के सांसद ने कहा कि भारत में 25 वर्ष से कम उम्र के लगभग 42: स्नातक बेरोजगार हैं। नौकरियों के लिए हताशा को दबाने के लिए, उन्होंने एक हालिया घटना को चिह्नित किया जहां 303 लोगों, जिनमें से बड़ी संख्या में प्रधान मंत्री के गृह राज्य से थे, ने एक चार्टर्ड विमान किराए पर लिया और अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि 2022–23 में लगभग 90,000 भारतीयों ने नौकरियों की तलाश में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश की थी। वह सत्ता में नरेंद्र मोदी के दशक को देश के लिए 'स्वर्णिम काल' के रूप में मनाने के सत्तारूढ़ भाजपा के प्रयासों का मुकाबला करने की कोशिश कर रहे थे। गोगोई ने सत्तारूढ़ शासन की लोगों की आंखों पर पट्टी बांधने की क्षमता को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि मोदी और बीजेपी ने 'अटेंशन मैनेजमेंट' में पीएचडी की है और 'इवेंट मैनेजमेंट' से मुद्दों को भटकाने की कला में महारत हासिल कर ली है. "जब विपक्ष कहता है कि सिर्फ 10: लोग देश की 50: संपत्ति पर नियंत्रण रखते हैं, तो वे कहते हैं कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैय जब हम पूछते हैं कि प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं जा रहे हैं, तो वे कहते हैं कि जी20 को देखो३" संक्षेप में, गोगोई इस बात पर अफसोस जता रहे थे कि कैसे भाजपा के धारणा प्रबंधन ने लोगों से जुड़ने के विपक्ष के रास्ते में बाधाएं खड़ी कर दी हैं।

वैश्विक प्रवासन और भारत-संकट और भी बदतर

गब्बर

3,000 करोड़ रुपये के अयोध्या उत्सव के मादक दिखावे ने उस अपमान से ध्यान भटकाने में मदद की, जो एक अमेरिकी न्यायाधीश ने एक युवा रिश्तेदार को अपने लिए दास बनाने के लिए मजबूर करने के लिए एक सिख जोड़े पर लगाया था। सहायक अटॉर्नी–जनरल क्रिस्टन क्लार्क ने कहा, "प्रतिवादियों ने पीड़ित के विश्वास और संयुक्त राज्य अमेरिका में स्कूल जाने की उसकी इच्छा का फायदा उठाया और फिर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया, ताकि वे उसे अपने लाभ के लिए काम पर रख सकें। वर्जीनिया के नॉर्थ चेस्टरफील्ड की भयावह अदालत ने सुना कि कैसे पीड़ित नाबालिग था जब उसे पेट्रोल पंप चलाने वाले संपन्न चचेरे भाइयों के लिए कैशियर, कुक, क्लीनर और स्टोर रिकॉर्ड के प्रबंधक के रूप में काम करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका लाया गया था। उन पर विभिन्न प्रकार की जबरदस्ती की गई, जिसमें उनके आव्रजन दस्तावेजों को जब्त करना, शारीरिक शोषण, बल की धमकियां और अन्य प्रकार के गंभीर नुकसान के साथ–साथ अपमानजनक रहने की स्थिति भी शामिल थी, जिससे उन्हें थोड़े से पैसे के लिए लंबे समय तक काम करने के लिए मजबूर किया गया। यह भयावह कहानी बेसहारा प्रवासन की बहुत बड़ी त्रासदी का एक छोटा सा अंश है। दुनिया के सबसे बड़े 35 मिलियन–मजबूत प्रवासी भारतीयों का दावा करते हुए, भारतीयों को दुनिया की सबसे अधिक +110 बिलियन की वार्षिक प्रेषण वापस भेजने पर गर्व है। घरेलू बेरोजगारी के कारण हर साल 25 लाख भारतीयों को पलायन करना पड़ता है। यह भी गर्व की बात है कि इजराइल भारतीय तोप चारे की तलाश में है जो दैनिक नरसंहार के जोखिम से बचना चाहते हैं। जब कानूनी रास्ते बंद हो जाते हैं, तो भारतीय फर्जी छात्र वीजा पर विदेश चले जाते हैं और ऑस्ट्रेलिया में टैक्सी चलाते हैं या ब्रिटिश मिडलैंड्स में भारतीय दुकानों में गुलामी करते हैं या, जैसा कि अदालत की रिपोर्ट में उद्धृत किया गया है, संयुक्त राज्य अमेरिका में शोषक रिश्तेदारों के लिए। इस तरह के दुर्व्यवहार से खुद को बचाने के लिए ही ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक और इटली की प्रधान मंत्री ग्लोरिया मेलोनी ने एक ऐसा गठबंधन बनाया है जिसे कुछ लोग अपवित्र गठबंधन कह सकते हैं। दूसरों के लिए, यह एकमात्र तरीका है जिससे विकसित देश भारत जैसी स्थिर अर्थव्यवस्थाओं से उत्पन्न खतरे से बच सकते हैं। रोम में राजनीतिक अधिकार के एक सम्मेलन में एक–दूसरे को गले लगाते हुए, दोनों प्रधानमंत्रियों ने "तीसरी दुनिया" को यूरोप की गतिशील अर्थव्यवस्थाओं पर हावी नहीं होने देने की कसम खाई। इसके बजाय, वे "अवैध आप्रवासन और संगठित अपराध से निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करेंगे"। जिस तरह श्री सुनक ने रवांडा में अवांछित अवैध प्रवासियों को भेजने की अपनी योजना के लिए मंजूरी का एक संकीर्ण वोट जीता है, सुश्री मेलोनी ने अल्बानिया में प्रवासियों को भेजने के लिए एक समान योजना तैयार की है। किसी भी देश का मानवाधिकार रिकॉर्ड चमकदार नहीं है। दोनों रणनीतियों के आलोचकों को डर है कि असहाय प्रवासी, वैध या अवैध, जो इतने बदकिस्मत हैं कि रवांडा या अल्बानियाई हाथों में पड़ गए, उनका अंत उस देश में हो सकता है जिसे छोड़ने के लिए उन्हें इतनी पीड़ा हुई थी। लेकिन ब्रिटेन और इटली इस तर्क के साथ प्रतिवाद करते हैं कि उनके देशवासियों को अफ्रीकी–एशियाई शासन की अक्षमता या उदासीनता (या दोनों) के लिए दंडित नहीं किया जा सकता है। 2022–23 में ब्रिटेन पहुंचे 745,000 प्रवासियों में से 52,530 अनियमित शरणार्थी थे, जो पिछले वर्ष के आंकड़े से इस श्रेणी में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इनमें से लगभग 85 प्रतिशत आप्रवासी छोटी और अक्सर लीक होने वाली नावों में सवार होकर भूमध्य सागर के पानी में पहुँचे। जिन 105,129 लोगों ने इटली में प्रवेश करने की कोशिश की (2016 के 181,436 के रिकॉर्ड से कम) उनमें 13,386 अकेले नाबालिग शामिल थे। इनमें से कई लोग सीरिया, इराक, सूडान या यमन में युद्ध से भाग रहे थे। अन्य लोग अफगानिस्तान जैसे कठोर युद्धग्रस्त समाज में कठोर जीवन स्थितियों से बचने की कोशिश कर रहे थे। कुछ लोग भारत और पाकिस्तान में पुरानी बेरोजगारी के शिकार थे। कारण जो भी हो, उपाय एक ही था। परिवारों ने अपने अल्प संसाधनों को एकत्रित किया, उनके पास जो भी थोड़ी सी जमीन थी, उसे बेच दिया और प्राप्त आय को बेईमान तस्करों को सौंप दिया, इस वादे के विरुद्ध कि वे उन्हें नई आशा और उनके द्वारा छोड़े गए दुख से दूर एक खुशहाल जीवन की ओर मार्गदर्शन करेंगे। भारत की

गरीबी का भयावह हाथ सुदूर उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप में भी बार–बार महसूस होता है। अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर प्रवेश के लिए संघर्ष कर रहे शरणार्थियों की भीड़ पर मेक्सिकन लोग स्पष्ट रूप से हावी हैं। लेकिन 425,000 मेक्सिकन लोगों के मुकाबले 202,000 भारतीय और 114,121 चीनी हैं। यदि संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व वाली वैश्विक शक्तियां गाजा पर हमले को समाप्त करने और फिलिस्तीनी प्रश्न को उस गति और दक्षता के साथ हल करने के लिए आगे नहीं बढ़ती हैं जो अब तक इस संकट से निपटने में उल्लेखनीय रूप से अनुपस्थित रही है, तो दुनिया और भी बड़ी मुसीबत में फंस सकती है। गंभीर संघर्ष जिसमें न केवल मानव आंदोलन बल्कि परमाणु हथियार भी शामिल हैं।

पुलिस महानिदेशक उ.प्र. द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कानून-व्यवस्था के सम्बन्ध में दिये गये दिशा-निर्देश

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रशान्त कुमार, पुलिस महानिदेशक, उ.प्र.द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त जोनल अपर पुलिस महानिदेशकध पुलिस आयुक्त, परिक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक ६ पुलिस उपमहानिरीक्षक, उ०प्र० को पुलिस की प्राथमिकताएं, आगामी लोक सभा चुनाव एवं कानून–व्यवस्था के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर निम्नांकित निर्देश दिये गयेः–

–प्रदेश में अपराध एवं अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति के अन्तर्गत प्रभावी वैधानिक कार्यवाही की जाये। अपराधियों पर प्रभावी नियन्त्रण रखा जाय तथा माहौल बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाय।

–हिस्ट्रीशीटर की चेकिंग एवं सत्यापन प्रभावी रूप से नियमानुसार कराया जाय तथा अपराधियों के विरूद्ध दबिश की कार्यवाही पूरी तैयारी के साथ की जाय। पुलिस कर्मियों द्वारा ड्यूटी के दौरान अधिक से अधिक बॉडी वार्न कैमरे का प्रयोग किया जाय।

–गोतस्करी/गोकसी की रोकथाम हेतु कार्य योजना बनाकर कार्यवाही सुनिश्चित की जाये तथा उक्त घटना में सम्मलित अभियुक्तों के विरूद्ध प्रभावी विधिकधनिरोधात्मक कार्यवाही की जाये।

–किसी भी घटना की सूचना में मौके पर पहुँचने का रिस्पॉस टाइम कम से कम होना चाहिए।

–समस्त कमिश्नरेट ६ जनपद की सोशल मीडिया टीम 24ग7 सोशल मीडिया के प्रत्येक प्लेटफार्म पर निगरानी/सर्तक दृष्टि रखें तथा मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया टीम से समन्वय बनाये रखते हुये किसी भी भ्रामक ६ आपत्तिजनक पोस्ट का तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

–महिलाओं एवं बच्चों से सम्बन्धी मामलों में अत्यधिक संवेदनशीलता रखते हुये प्रभावी कार्यवाही की जाय। महिला बीट व्यवस्था और एन्टी रोमियों स्क्वॉड को और अधिक सक्रिय करने की आवश्यकता है। मिशन शक्ति कार्यकम के अन्तर्गत महिला आरक्षियों को फील्ड में आवश्य भेजा जाय।

– नियमित रूप से पैदल गश्त (फुट पेट्रोलिंग) किया जाये। पैदल गश्त स्थान बदल–बदल कर किया जाये, जिससे महत्वपूर्ण स्थलों पर पुलिस दिखाई देती रहे तथा जनमानस से निरंतर सम्पर्क व संवाद बना रहे।

– जनसुनवाई पर अधिक ध्यान दे, ज्यादा से ज्यादा लोगों से मिलें। प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष भी प्रत्येक दिन जनसुनवाई करें। जनपदो में प्राप्त होने वाले जन शिकायतों का नियमित अनुश्रवण कर समस्याओं का यथोचित निस्तारणकराया जाये तथा आवश्यकतानुसार सम्बन्धित विभागों से भी सहयोग लिया जाये। साथ ही जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों का समयबद्ध रूप से निस्तारण किया जाय।

– जनता एवं जनप्रतिनिधियों आदि से निरन्तर फीड बैक लिया जाय।

– जोन स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से समन्वय स्थापित कर पुलिस कर्मियों।

को प्रशिक्षित किया जाय। विशेषकर साइबर काइम का प्रशिक्षण दिलाते हुये आम जनमानस में साइबर अपराध से बचाव एवं रोकथाम हेतु जागरूकता पैदा किया जाय।

– ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेन्ट का प्रयोग करते हुये जन सामान्य से पुलिस का व्यवहार अच्छा हो तथा कम्युनिटी पुलिसिंग पर विशेष ध्यान दिया जाय। पुलिस बल को मोटीवेट रखा जाये और समय–समय पर कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाये। अच्छे कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को प्रमोट किया जाय तथा कर्मचारियों के द्वारा किये गये अच्छे कार्यों के लिये उत्साहवर्धन करें।

– भष्ट्राचार के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति का पूर्णतः पालन किया जाय।

– आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत रिर्सोसेज एवं पुलिस बल की आवश्यकता का पूर्व से मूल्यांकन कर लिया जाय।

– मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पीए सिस्टम की क्रियाशीलता सुनिश्चित की जाये तथा पोस्टर पार्टी को सकिय रखा जाये। धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के दृष्टिगत नियमित सतर्क दृष्टि रखी जाये एवं आवश्यकतानुसार पुलिस बल का व्यवस्थापन किये जाये।

– अवैध शराब निष्कर्षणध्ब्रिकी आदि के विरूद्ध क्षेत्राधिकारी द्वारा उपजिलाधिकारी के साथ संयुक्त रूप से प्रभावी कार्यवाही की जाय।

– साम्प्रदायिक व जातीय विवाद से सम्बंधित किसी भी घटना को अत्यंत गम्भीरता पूर्वक लेते हुये त्वरित वैधानिक कार्यवाही की जाये। अवैध रूप से व्यवस्थापित एवं मानक के विरूद्ध ध्वनि विस्तारित यंत्रों का प्रयोग करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाये।

इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक स्थापना, पुलिस आयुक्त लखनऊ, अपर पुलिस महानिदेशक कार्मिक, अपर पुलिस महानिदेशक लॉजिस्टिक, अपर पुलिस महानिदेशकध्पुलिस महानिदेशक के जीएसओ, अपर पुलिस महानिदेशक अपराध, अपर पुलिस महानिदेशक महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन (1090), पुलिस महानिरीक्षक कानून–व्यवस्था सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

गोरखपुर–वाल्मीकिनगर रूट के दोहरीकरण के लिए मिले 310 करोड़

गोरखपुर, संवाददाता। अंतरिम बजट में गोरखपुर और आसपास के रेल लाइनों पर चल रहे विकास कार्य को भरपूर बजट मिला है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में घोषित गोरखपुर– वाल्मीकिनगर रूट के दोहरीकरण के लिए 310 करोड़ रुपये आवंटित हुए हैं। वहीं डोमिनगढ़–कुसम्ही तीसरी लाइन व गोरखपुर–नकहा जंगल तीसरी लाइन के लिए भी 18 करोड़ रुपये आवंटित हुए हैं। अन्य लाइनों के लिए भी धन मिला है। इससे इन लाइनों को बिछाने का कार्य समय से पूरा हो सकेगा। पूर्वोत्तर रेलवे यात्री प्रमुख जोन है। इस जोन में सभी प्रमुख मार्गों के दोहरीकरण व तेहरीकरण का कार्य चल रहा है। इस अंतरिम बजट में पूर्वोत्तर रेलवे को कुल 5,813.20 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। गोरखपुर– वाल्मीकिनगर रूट के दोहरीकरण से बिहार से आने वाली ट्रेनों को सुविधा होगी। इसके अलावा इस रास्ते मालगाड़ी भी गुजरती हैं, उन्हें इस रूट के दोहरीकरण से समय की बचत होगी।

पिता पर मासूम बेटी से दुष्कर्म का केस, हिरासत में

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर जिले में खोराबार थाना क्षेत्र के एक गांव में पिता पर आठ वर्षीय बेटी से दुष्कर्म का आरोप लगा है। पत्नी का आरोप है कि नशे में धुत पति ने बेटी संग दुष्कर्म किया। पुलिस ने मासूम की मां की तहरीर पर दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट की धारा में केस दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। सूचना के बाद सीओ मौके पर पहुंचे और जांच की।

उधर, गांव में कुछ और ही चर्चा है। बताया जा रहा है कि पति–पत्नी के रिश्ते ठीक नहीं होने की वजह से केस दर्ज कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, दंपती की आठ वर्षीय बेटी है। सभी साथ में रहते हैं। पत्नी का आरोप है कि ट्रक चालक पति, शराब पीने का आदी है। नशे में धुत पति ने बृहस्पतिवार रात मासूम बच्ची से दुष्कर्म किया। जिस समय घटना हुई, वह सो रही थी। बच्ची के चीखने–रोने की आवाज सुनने पर उसकी आंख खुली तो पति की हरकत देखकर दंग रह गई। इस दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया। महिला ने घटना की सूचना पुलिस को दी। शुक्रवार को जांच के लिए एएसपीध्सीओ राहुल भाटी को मौके पर भेजा गया। महिला की तहरीर के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया।

रिश्तों में खटास की चर्चा

मामले को लेकर गांव में तरह–तरह की चर्चा हो रही है। चर्चा है कि ट्रक चालक को उसकी पत्नी ने गलत फंसाया है। इसके पीछे वजह है कि महिला का एक युवक से संबंध है। पति ने दोनों को पकड़ लिया, जिसके बाद केस दर्ज कराया गया है।

एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नाई ने कहा कि केस तहरीर के आधार पर दर्ज किया गया है।

मामले में पति–पत्नी के आपसी रिश्ते ठीक न होने की बात सामने आई है। बच्ची के बयान और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई जाएगी।

पीएमओ को भेजा छात्र की कथित पिटाई से संबंधित वायरल आडियो

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अंतरूवासी की ओर से खुद की पिटाई के आरोपों के संबंध में ऑडियो वायरल करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अब इस मामले की शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय और डीजीपी को भेजी गई है। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने शिकायत करते हुए एफआईआर और जांच कर कार्रवाई की मांग उठाई है। गौरतलब है कि दो दिन पहले यह मामला सामने आया था। एसएसएल हॉस्टल के अंतरूवासी अभिषेक गुप्ता ने खुद को प्रॉक्टर कार्यालय में बुलाकर प्रॉक्टोरियल बोर्ड के चार सदस्यों पर बंधक बनाकर पिटाई, गालीगलौज, धमकाने का आरोप लगाया था। उसने एक ऑडियो भी वायरल किया जिसके संबंध में उसका दावा है कि यह ऑडियो प्रॉक्टर कार्यालय में हुई उसी घटना का है। उसके मोबाइल से ही यह ऑडियो रिकॉर्ड हुआ। इस संबंध में पीएमओ को भेजी शिकायत में पूर्व आईपीएस ने आरोप लगाया है कि विवि के प्रॉक्टर और शिक्षकों पर छात्र को बंधक बनाने व खुलेआम गालियां देने के आरोप बेहद गंभीर हैं। ऐसे में ऑडियो की जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाए। कुछ ऐसी ही मांग डीजीपी को भेजे गए शिकायती पत्र में भी की गई है। उधर इस संबंध में आरोप लगाने वाले छात्र की ओर से कर्नलगंज थाने में दी गई शिकायत पर अभी कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। एसीपी कर्नलगंज राजीव कुमार यादव का कहना है कि शिकायती पत्र के संबंध में जांच पड़ताल की जा रही है। चूंकि अलग–अलग टीके उपलब्ध हैं, इसलिए अवधि अलग–अलग हो सकती है। लेकिन आम तौर पर कहें तो एचपीवी वैक्सीन 10 साल तक सुरक्षा प्रदान कर सकती है। यदि आप टीका लगवाते हैं तो गर्भाशय ग्रीवा, योनि और वुल्वर कैंसर का खतरा कम हो जाएगा, फिर भी नियमित स्त्री रोग संबंधी परीक्षाओं और उचित निवारक देखभाल के लिए अपने स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास जाना अभी भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यदि आप हल्के या गंभीर रूप से बीमार हैं, तो सर्वाइकल कैंसर के टीके से बचना सबसे अच्छा है। गर्भवती महिलाओं को भी टीकाकरण से बचना चाहिए। यदि आपको पहले से ही एचपीवी संक्रमण या एचपीवी–जनित बीमारी है तो सर्वाइकल कैंसर का टीका उपचार के रूप में काम नहीं करता है, हालांकि एचपीवी के अन्य प्रकारों से बचाने के लिए इसे अभी भी अनुशंसित किया जा सकता है।

मोहनसराय ट्रांसपोर्ट नगर योजना के विरोध में किसानों का प्रदर्शन

वाराणसी, संवाददाता। रोहनिया– मोहनसराय ट्रांसपोर्ट नगर योजना के विरोध में बैरवन गांव में रविवार की सुबह 8 बजे किसानों ने बैठक किया। इसके साथ ही विरोध कर नारेबाजी भी की।

इस दौरान किसानों ने निर्णय लिया कि हम अपनी कृषि भूमि का अधिग्रहण नहीं करने देंगे। बैठक में सर्वसम्मत से ट्रांसपोर्ट नगर योजना से प्रभावित किसानों ने अपनी उपजाऊ भूमि न देने का निर्णय लिया।

इस दौरान लाल बिहारी पटेल तथा पूर्व ग्राम प्रधान अमलेश पटेल सहित सभी ग्रामीणों ने विरोध जताया। विकास प्राधिकरण के खिलाफ ट्रांसपोर्ट नगर योजना से प्रभावित किसानों ने जमकर नारेबाजी भी की। आरोप है कि जिन किसानों ने अपनी जमीन का मुआवजा नहीं लिया है उनकी भी जमीन को लेने का षड्यंत्र रचा जा रहा है, लेकिन किसान इसमें सफल नहीं होने देंगे। उपजाऊ जमीन को किसी भी कीमत पर नहीं देंगे।

यह जमीन हमारे जीविकोपार्जन का साधन है। बैठक में मुख्य रूप से लाल बिहारी पटेल, पूर्व ग्राम प्रधान अमलेश पटेल, विजय वर्मा, रामराज पटेल, लल्लू पटेल, प्रेम शाह, मेवा पटेल, विजय गुप्ता, कल्लू पटेल, संजय पटेल, कन्हैया पटेल, बिटुना देवी, लालमनी देवी, कृष्णावती देवी सहित तमाम प्रभावित किसान उपस्थित रहे।

बजट पर प्रतिक्रिया'

'कर्मचारियों को उनके हाल पर ही छोड़ा गया इस बजट में'

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सुनील यादव
अध्यक्ष फार्मेसिस्ट फेडरेशन
प्रमुख उपाध्यक्ष

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने कहा कि

तुम्हारी शख्सियत से ये सबक लेगी नई नस्लें,

वही मंजिल पर पहुंचा है, जो अपने पांव चलता है।

आज वित्त मंत्री जी ने बजट भाषण में माननीय मुख्यमंत्री जी के परिपेक्ष्य में ये लाइनें पढ़ीं , निश्चित ही प्रदेश में जनहित की अनेक योजनाएं वित्तसंत्रिप्त की गई हैं, परंतु कर्मचारियों को अकेला ही छोड़ दिया गया है । 36 पेज के बजट भाषण में अनेक योजनाओं, समूहों को लाभ दिया गया लेकिन प्रदेश के कर्मचारी जो शासकीय नीतियों का परिपालन सुनिश्चित करते हैं उनके लिए कोई योजना नहीं आई ।

आज प्रदेश में स्थाई कर्मचारियों से अधिक संख्या ठेकेदारी और संविदा कर्मियों की होती जा रही है इसलिए सरकार को इनके कल्याण के लिए योजना लानी चाहिए । समयबद्ध स्थाई करण, स्थाई नौकरियों में वरीयता इसमें प्रमुख हो सकती है ।

इस बजट में फार्मा सेक्टर को अतिरिक्त तरजीह नहीं दी गई जो चिंतनीय है । वास्तव में प्रदेश में अपार संभावनाएं हैं जहां स्थाई रोजगार को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ।

कैशलेश चिकित्सा के लिए सरकार ने धन आवंटित किया जो स्वागत योग्य है ।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने प्रदेश सरकार के बजट में पुरानी पेंशन बहाली की घोषणा न किए जाने सहित कर्मचारी हितों को नजरंदाज किए जाने का आरोप लगाते हुए बजट को कर्मचारी हितों के प्रतिकूल बताया है ।

परिषद के महामंत्री अतुल मिश्रा और प्रमुख उपाध्यक्ष और फार्मेसिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव, फेडरेशन के महामंत्री अशोक कुमार ने कहा कि कर्मचारियों की मांग थी कि पुरानी पेंशन बहाल की जाए लेकिन बजट में कोई घोषणा नहीं की गई, इसलिए कर्मचारियों के लिए यह बजट आशा के विपरीत रहा है ।

परिषद ने स्थाई रोजगार सृजन की दिशा में कोई योजना ना होने पर भी चिंता व्यक्त की है । परिषद के अनुसार निजीकरण की योजनाएं कभी भी जनहित में नहीं हो सकती

इसलिए सरकार को स्थाई रोजगार की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए ।

संविदा प्रथा और ठेकेदारी प्रथा को समाप्त करने के स्थान पर बढ़ावा दिया जा रहा है, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में सभी पदों पर संविदा पर भर्ती की जाती है, स्थाई रोजगार सृजन ना होने से तकनीकी योग्यता धारक लोगों को या तो बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है या अल्प वेतन और भविष्य की असुरक्षा के बीच कार्य करना पड़ रहा है । संविदा कर्मचारियों को अपने मानदेय बढ़ाने का भी इंतजार था जो पूरा नहीं हुआ। पीपीपी मॉडल पर जो मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं उनमें भी स्थाई रोजगार की घोषणा नहीं है अतः यह बजट कर्मचारी हितों के प्रतिकूल है ।

कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही बोले, अब किसान उद्यमी बनने की ओर अग्रसर

वाराणसी, संवाददाता। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि देश की आत्मनिर्भरता में किसानों का अहम योगदान है। तकनीक और उनके मेहनत के बदलौती ही हम खाद्यन्न में आत्मनिर्भर होने के साथ निर्यात कर रहे हैं। वाराणसी से 15 माह में आठ सौ मीट्रिक टन फल, सब्जियों का निर्यात कर चुके हैं। आज किसान उद्यमी बनने की ओर अग्रसर हैं। शाहंशाहपुर स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान में तीन दिवसीय पूर्वोत्तर भारत के लिए लगे किसान मेले के उद्घाटन पर उन्होंने यह विचार रखे। मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। इसलिए यहां विकास की संभावनाएं ज्यादा हैं। इसलिए किसान बदलते जलवायु के अनुकूल खेती पर जोर दें। इसके लिए कृषि संसाधनों में हो रहे शोध व अनुसंधान का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कृषि एवं किसान उपयोगी कार्यों को विस्तार दे रही है। प्रदेश में 23 सौ एफपीओ विकास कर रहे हैं। दिसंबर तक एक लाख सोलर पंप किसानों को दिया जाएगा। कुशीनगर में कृषि विश्वविद्यालय खुलेगा।केवीके की स्थापना, विपणन प्रणाली में व्यापक सुधार, खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ाया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि आइसीएआर पूर्व सचिव एवं महानिदेशक डॉ. मंगला राय ने कहा कि पहले जितना आज भी खेती हो रही है, मगर सरकार की सफल रणनीति से हम समृद्ध हो रहे हैं। कृषि से 55 फीसदी आबादी का जीवन यापन और जीडीपी में 15 प्रतिशत योगदान का है। उन्होंने सेकेंडरी एग्रीकल्चर, जैविक फार्मिंग,

सूक्ष्मजीवों के प्रसार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों, जैविक उत्पादों, खाद्यान्न भंडारण, कृषि विपणन, प्रसंस्करण एवं कृषि से स्वरोजगार जैसे मुद्दों पर चिंतन की जरूरत है, तभी इससे निपट सकते हैं। संस्थान के निदेशक डॉ. तुषार कांति बेहेरा ने संस्थान द्वारा किसानों की हितों में लगातार कार्य किए जाने पर जोर दिया। आइसीएआर के उप महानिदेशक डॉ. यूएस गौतम, सहायक महानिदेशक डॉ. सुधाकर पांडेय ने भी किसानों से संवाद किया और वर्त्तमान चुनौतियों से अवगत कराने के साथ इससे निपटने के तरीके भी बताए।

प्रदेश में खुलेगा आलू का अंतरराष्ट्रीय संस्थान

कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि प्रदेश में जल्द ही आलू का एक और अंतरराष्ट्रीय संस्थान आगरा में खोला जाएगा। इसके लिए प्रदेश और केंद्र सरकार के बीच सहमति बन गई है। 10 एकड़ जमीन की तलाश कर ली गई है। वहीं, कुशीनगर में कृषि विश्वविद्यालय भी खुलेगा। इसके लिए बजट भी बन गया है। मेले के उद्घाटन के पूर्व पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने इसी माह में कृषि यंत्रों की सब्सिडी भेज दी जाएगी। साथ ही सोलर पंप के लिए ऑनलाइन आवेदन की एक सप्ताह की तिथि और बढ़ा दी गई है। किसान अगले सोमवार तक भर सकते हैं। मंत्री ने बताया कि रबी सीजन में इस बार गेहूं के साथ चना, सरसो और मसूर की भी खरीद होगी।

मोटे अनाज की प्रजातियों ज्यादा की गईं प्रदर्शित

मेले में मोटे अनाज पर सबसे ज्यादा स्टाल लगे लगे थे। विभिन्नतों के स्टालों पर मक्का, कोदो, सांवा, बाजरा, ज्वार आदि उत्पादों की प्रजातियां प्रदर्शित की गई थीं। इसके अलावा सब्जियों, फूलों, बीजों, नई तकनीक पर आधारित कृषि उपकरणों आदि लगे थे। पशुओं की चिकित्सा संबंधी स्टाल भी लगे थे। किसानों ने बीज खरीदे तो उनको इनके बारे में जानकारी दी गई।

आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय से संचालित कृषि विज्ञान केंद्र गाजीपुर के स्टाल पर पांच फीट की लौकी आकर्षण का केंद्र बना था। केंद्र वैज्ञानिक अंकुश राय ने बताया कि यह नरेंद्र शिवानी प्रजाति की लौकी है, जो चार से आठ फीट तक होती है। इसकी उत्पादन क्षमता प्रति हेक्टेयर में दो से ढाई सौ क्विंटल है।

पेप्सिको प्लांट का 90 फीसदी काम पूरा

गोरखपुर, संवाददाता। गीडा सेक्टर 27 में बन रहे पेप्सिको प्लांट का करीब 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है। मशीनों के स्टालेशन का कार्य आरंभ हो चुका है। मार्च के अंतिम सप्ताह तक यहां से उत्पादन भी शुरू होने की उम्मीद है। इस प्लांट से कोल्ड ड्रिंक के अलावा दूध, दही, छाछ, लस्सी, चॉकलेट आदि प्रोडक्ट भी बनेंगे। इससे करीब तीन हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा लगभग 10 हजार दूध विक्रेताओं को भी फायदा होगा। गीडा क्षेत्र में पिछले पांच साल में उद्योग लगने में तेजी आई है। पिछले साल ही 1100 करोड़ की लागत से सेक्टर 27 में वरुण वेबरेज कंपनी की तरफ से पेप्सिको प्लांट का निर्माण शुरू कराया गया था। वरुण वेबरेज के निदेशक कमलेश जैन ने बताया कि फैक्टरी में मशीनरी स्टालेशन का कार्य आरंभ करा दिया गया है। इस कार्य में करीब दो माह का वक्त लगेगा। हम तैयारी कर रहे हैं कि होली तक यहां से उत्पादन शुरू हो जाए।

दूध का बढ़ेगा कारोबार, पूर्वांचल को मिलेगा फायदा

इस कंपनी के चालू होने से एक हजार कर्मचारियों को प्रत्यक्ष और दो हजार अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इसके अलावा सबसे अधिक फायदा दूध विक्रेताओं को होगा। कंपनी को करीब एक लाख लीटर दूध की जरूरत होगी, जिसे पूरा करने के लिए गोरखपुर समेत आसपास के अन्य जिलों से आपूर्ति ली जाएगी।

टेक्नो प्लास्ट कंपनी का भी तेजी से चल रहा है काम

गीडा सेक्टर 28 (प्लास्टिक पार्क) में टेक्नो प्लास्ट कंपनी का निर्माण तेजी से चल रहा है। करीब 100 करोड़ लागत वाली इस कंपनी से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर लगभग 300 लोगों को रोजगार मिलेगा। गीडा के एसडीएम अनुपम मिश्रा ने बताया कि इस ग्रुप की देश में 14 अन्य कंपनियां भी हैं। यह कंपनी हार्ड प्लास्टिक बनाती है, जिससे जार व अन्य उपकरण बनाए जाते हैं। उपायुक्त उद्योग गौरव मिश्रा ने कहा कि गोरखपुर पूर्वांचल का सबसे बड़ा औद्योगिक केंद्र बनकर उभर रहा है। गीडा व आसपास के इलाके में करीब 11 हजार करोड़ का निवेश हुआ है। कुछ फैक्टरियां बनकर तैयार हैं तो कुछ से उत्पादन शुरू हो चुका है। इससे बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

अदाणी–लुलु माल के आने से बदलेगा माहौल

धुरियापार औद्योगिक क्षेत्र में अदाणी समूह की सीमेंट फैक्टरी लगने का रास्ता करीब–करीब साफ हो चुका है। इसके अलावा श्री सीमेंट्स के साथ भी वार्ता चल रही है। कंपनी के प्रतिनिधि को 50 एकड़ जमीन भी दिखाई जा चुकी है। इसके अलावा कालेसर जीरो प्वाइंट पर लुलु माल और दीप एसोसिएट्स के साथ सहमति बन चुकी है। 10 फरवरी को इन कंपनियों के साथ गीडा प्रशासन एमओयू पर हस्ताक्षर करेगा। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री की मौजूदगी में होगा। सीईओ अनुज मलिक ने बताया कि 10 फरवरी को कालेसर जीरो प्वाइंट के पास एक कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें कई कंपनियों के साथ एमओयू के अलावा गीडा की आवासीय योजना भी लांच की जाएगी।

पूर्वांचल के नकल माफिया एसटीएफ के रडार पर, कई जिलों पर रहेगा विशेष फोकस

वाराणसी, संवाददाता। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में नकल कराने वाले पूर्वांचल के माफिया स्पेशल टॉस्क फोर्स (एसटीएफ) के रडार पर हैं। इसके लिए एसटीएफ की वाराणसी यूनिट के स्तर से तीन टीमें गठित की गई हैं। एसटीएफ का फोकस विशेष रूप से पूर्वांचल के गाजीपुर, बलिया, मऊ, जौनपुर और मिर्जापुर जिले पर है। गठित तीनों टीमों को कहा गया है कि नकल माफिया के नेटवर्क के बारे में विस्तृत जानकारी जुटा कर उन्हें उनके मंसूबे में सफल नहीं होने देना है। यूपी बोर्ड की परीक्षा में नकल के लिए पूर्वांचल के जिले पूर्व के वर्षों में प्रदेश और देश भर में कुख्यात रहे हैं। हालत यह रहती थी कि यहां होने वाली खुलेआम नकल के कारण बोर्ड परीक्षा में आसानी से पास होने के लिए तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे सुदूर प्रदेशों के अलावा पड़ोसी देश नेपाल तक के छात्र–छात्राएं आते थे। वर्ष 2017 में प्रदेश में सरकार बदली तो नकल माफिया के खिलाफ अभियान चलाकर शिकंजा कसना शुरू हुआ। इसके साथ ही बोर्ड परीक्षा में धांधली कराने और करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए एसटीएफ को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसी क्रम में आगामी 22 फरवरी से शुरू हो रही यूपी बोर्ड की परीक्षा सकुशल संपन्न कराने के लिए एसटीएफ ने एक बार फिर कमर कस ली है।

बरती जाएगी अतिरिक्त सतर्कता

एसटीएफ के अफसरों का कहना है कि हाल के वर्षों में लगातार हुई प्रभावी कार्रवाई से नकल माफियाओं के हौसले पस्त हुए हैं। जिन विद्यालयों में पूर्व में सामूहिक नकल हुई है, अब उन्हें परीक्षा केंद्र भी नहीं बनाया जा रहा है। 44 परीक्षा केंद्रों को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाएगी।

मिला है यह टास्क

गत पांच वर्ष में सामूहिक नकल कराने के मामले में एसटीएफ और जिला पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों की वर्तमान गतिविधियों की निगरानी करते हुए उनकी गड़बड़ी की आशंका पर प्रभावी कार्रवाई।

पुलिस की वर्दी पहन कर चोरी करने वाला गिरफ्तार

वाराणसी, संवाददाता। पुलिस की वर्दी पहनकर रेल यात्रियों का सामान चोरी करने वाले फर्जी पुलिसकर्मी को कैंट जीआरपी और आरपीएफ ने सर्कुलेटिंग एरिया से गिरफ्तार किया। उसके पास से फर्जी परिचय पत्र, पीएनओ नेम प्लेट, वर्दी और चोरी का आईपैड, मोबाइल, सूटकेस बरामद हुआ। जीआरपी ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

यह है मामला

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि कैंट स्टेशन पर किसी का सूटकेस चोरी किया तो उसमें वर्दी मिली। वर्दी पहनकर पहले वह चाय की दुकान पर गया तो दुकानदार ने पैसे नहीं लिए। होटल में खाने के बाद भी पैसे नहीं देने पड़े। ऑटो, ई–रिक्शा वाले भी पुलिसकर्मी समझकर पैसे नहीं लेते थे। इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ा तो वह चोरी, धोखाधड़ी करने लगा। चोरी के सामानों को वह कानपुर, गाजियाबाद में बेचता था। पुलिस की टीम वहां जाकर दुकानदारों से पूछताछ करेगी।

गाजियाबाद का रहने वाला है आरोपी

सीओ जीआरपी कुंवर प्रभात सिंह ने बताया कि आरोपी अरविंद कुमार यादव उर्फ राजवीर यादव गाजियाबाद का मूल निवासी है। वह नगवां में किराये के मकान में रहता था। 17 जनवरी को बिहार की रहने वाली रेखा शर्मा का स्टेशन के एसी वेटिंग रूम से सामान चोरी हुआ था। सीसी कैमरे खंगालने पर पता चला कि वारदात को किसी पुलिसकर्मी ने अंजाम दिया। रेखा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

दो साल आठ माह तक भदोही जेल में था बंद

जीआरपी इंस्पेक्टर हेमंत सिंह को सूचना मिली कि पुलिस की वर्दी पहनकर यात्रियों का सामान चोरी करने वाला युवक सर्कुलेटिंग एरिया में दोबारा वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। आरपीएफ की दो और जीआरपी की टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। पीड़िता रेखा शर्मा ने जीआरपी से कहा कि सामान में उनकी घड़ी नहीं मिली है, वह माता–पिता की आखिरी निशानी थी। जीआरपी इंस्पेक्टर हेमंत सिंह ने बताया कि आपराधिक इतिहास खंगालने पर पता चला कि अरविंद औराई थाने में चोरी के मुकदमे में दो साल आठ माह तक बंद था। जनवरी में जेल से छूटा तो फिर चोरी, धोखाधड़ी करने लगा।

ताइक्वांडो का रेफरी, इंस्ट्रक्टर व ब्लैक बेल्ट शिविर संपन्न

मृत्युंजय प्रताप सिंह

राजधानी लखनऊ रू ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया और ताइक्वांडो अकादमी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में लालबाग में आयोजित नेशनल रेफरी और इंस्ट्रक्टर कोर्स व ब्लैक बेल्ट शिविर ग्रैंड मास्टर डॉ जिम्मी आर जगतियानी की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने सभी सफल खिलाड़ियों को अपने कर कमलों से प्रमाणपत्र प्रदान किए और आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में ताइक्वांडो के खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन करेंगे।

गौरतलब है कि तीन दिवसीय ताइक्वांडो शिविर में पूरे देश के पंजाब, बंगाल, आंध्र प्रदेश सहित कई प्रदेश से आए खिलाड़ियों ने भाग ले रहे थे। इस दरमियान फाउंडर ऑफ ताइक्वांडो इन इंडिया ग्रैंड मास्टर जिम्मी आर जगतियानी ने खिलाड़ियों को ताइक्वांडो की लेटेस्ट तकनीक, नियम आदि की जानकारी दी, साथ ही ताइक्वांडो प्रतियोगिता के दौरान रेफरी की भूमिका कैसे निभाई जाती है, कि सूक्ष्म जानकारी प्रदान की। श्री जगतियानी ने खिलाड़ियों को अच्छे इंस्ट्रक्टर के लिए क्या गुण होने चाहिए इसकी भी विस्तृत जानकारी दी और ताइक्वांडो के इतिहास से भी परिचय कराया। लालबाग में चल रहे कोर्स के दरमियान विशेष अतिथि सुरेश छबलानी, टेक्निकल चेयरमैन पीटर जगतियानी, राष्ट्रपति पदक से सम्मानित राष्ट्रीय खिलाड़ी मनोज वर्मा एवं पब्लिसिटी विंग चेयरमैन ग्रैंड मास्टर गौरव सिंह चौहान उपस्थित रहे। अंत में उपस्थित सभी खिलाड़ियों ने नेशनल रेफरी, इंस्ट्रक्टर और ब्लैक बेल्ट की परीक्षा में भाग लिया। पीटर जगतियानी ने बताया कि रेफरी की परीक्षा में सफल खिलाड़ी लखनऊ में होने वाली आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रेफरी की भूमिका निभायेंगे।

आज के परिणाम इस प्रकार रहें –

नेशनल रेफरी – निधि राज, निशा राज, अजय, सौरभ प्रजापति, सुमित रावल, मोहम्मद रहमान, शुभम कुमार, काशी राज राय, बलराम कुमार भारती (सभी उत्तर प्रदेश से), डी वी एस प्रताप बाबू (कर्नाटक), जितेंद्र कुमार (मध्य प्रदेश), गुरप्रीत सिंह (चंडीगढ़)

ब्लैक बेल्ट – संजय यादव, पूनम सारस्वत, प्रांजल साहू, कुंवर सिंह सिद्धार्थ, मनीष कुमार गौतम (सभी उत्तर प्रदेश से), डीवीएस प्रताप बाबू, (कर्नाटक)

इंस्ट्रक्टर – जितेंद्र कुमार (मध्य प्रदेश), गुरप्रीत सिंह (चंडीगढ़), डी वी एस प्रताप बाबू (कर्नाटक), शुभम कुमार (उत्तर प्रदेश)

कलर बेल्ट – पवन कौल।

इस बार भारी बहुमत से मोदी सरकार फिर बनने जा रही है – राजेश श्रीवास्तव

जौनपुर। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दिया है और अपने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के लिए अनेक कार्यक्रम के साथ गांव चलो अभियान चलाया हैं जो 11 फरवरी तक चलेगा उसी कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आज जौनपुर उत्तरी क्षेत्र के अंतर्गत चंद्रशेखर आजाद शक्ति केंद्र के पदाधिकारियों की एक आवश्यक बैठक भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट के सदर चुंगी आवास पर सम्पन हुआ।बैठक की अध्यक्षता सभासद दल के नेता नंदलाल यादव सभासद ने किया व संचालन भाजपा नेता विष्णु गुप्ता ने किया।बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य व मंडल प्रभारी जमुनिया राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट ने कहा कि इस बार भी भारी बहुमत से मोदी सरकार फिर बनने जा रही हैं जो लोग मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे है उनके सपने कभी पूरा नहीं होगा बच्चा भइया ने कहा कि कार्यकर्ता जी जान से जुट जाएं व वृहद जनसंपर्क अभियान चलाते हुए समाज के सभी वर्गों के लोगो से जनसंपर्क करते हुए मोदीजी योगीजी सरकार की उपलब्धियो को बताये। पूर्व नगर महामंत्री नंदलाल यादव ने कहा कि मतदाता सूची में जो नाम छुटे हैं उनका नाम जोड़ने हेतु कार्य करे व पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों को जन जन तक पहुचाने का संकल्प लें।सेक्टर प्रभारी विष्णु गुप्ता ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद शक्ति केंद्र के सभी बूथों पर गांव चलो अभियान चल रहा है और लोगो को सरकार की उपलब्धि को कार्यकर्ता जन जन तक पहुंचा रहे है।बैठक मेंचंद्रशेखर आजाद शक्ति केंद्र संयोजक शिवम जायसवाल बूथ अध्यक्ष बृजेश गुप्ता,बूथ अध्यक्ष शिव शंकर साहू, रवि प्रकाश सेठ, प्रीतम सोनी, विजय केडिया, सुमित गुप्ता, अभिषेक सेठ संयोजक शिवम जाय सवाल अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि आगामी दो महीने हम सभी मोदीजी को पुनः प्रधानमंत्री बनाने हेतु जी जान से संगठन का कार्य करेंगे।

समाज में नहीं, समाज की बेहतरी के लिए हो राजनीति

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि राजनीति अपने समाज में नहीं, बल्कि समाज की बेहतरी के लिए होनी चाहिए। श्री बैस रविवार को राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सरदार पटेल बौद्धिक विचार मंच द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बुद्धिजीवी सम्मेलन में मुख्य अतिथि की हैसियत से बोल रहे थे। राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री और सांसद समेत विभिन्न पदों पर रहकर चार दशक से लगातार जनसामान्य की सेवा करते आ रहे महामहिम श्री बैस ने अपने संक्षिप्त–सारगर्भित वक्तव्य में कहा कि भारत के गृह मंत्री के रूप में लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का 550 से अधिक रियासतों को भारतीय गणतंत्र का अभिन्न हिस्सा बनाने और समाज में व्याप्त विषमताओं–असमानताओं को मिटाकर सामाजिक समरसता और भाईचारा बढ़ाने में बेशक अतुल्य और महान है।

श्री बैस ने सरदार पटेल के आदर्शों को अपनाते हुए पटेल समाज द्वारा संचालित बौद्धिक विचार मंच के अपनी बिरादरी की भलाई और सामाजिक समरसता बढ़ाने की दिशा में निरंतर किए जा रहे कार्यों–गतिविधियों की सराहना की और मंच का दायरा शहर–शहर, गांव–गांव तक बढ़ाने की अपेक्षा भी की। हर वर्ग खासकर युवाओं का अमृतकाल में वर्ष 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प साकार कर दिखाने के लिए अभी से जी–जान से जुटने का आह्वान भी किया। पटेल–कुर्मी समाज के लोगों से पूर्वाग्रह छोड़कर बेटियों को उच्च शिक्षित और बेटों को अनुशासित–संस्कारी बनाने का भी आग्रह किया।

छत्रपति शिवाजी विश्वविद्यालय मुंबई के कुलपति प्रो. केसरीलाल वर्मा बोले–विभिन्न कार्यक्षेत्रों में गहरी पैठ रखने इतने सारे प्रबुद्ध लोगों मंच के इस राष्ट्रीय सम्मेलन में एक साथ देखकर मन बहुत प्रफुल्लित है। समाज के कल्याण के लिए सरकार को इन सबके सदुपयोग की पहल करनी चाहिए। शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलपति प्रो. राधाकष्ण पाल सिंह ने कहा कि समाज को सही दिशा देने के लिए बौद्धिक विचार मंच जैसे मंचों और इनमें होने वाले सकारात्मक गहन विचार मंथनों और रचनात्मक क्रियाकलापों की निरंतरता बनाए रखना भी अत्यंत आवश्यक और अपरिहार्य है। जोर देकर कहा कि मंच गैर राजनीतिक अवश्य है लेकिन राजनीतिक लोगों का रचनात्मक सहयोग लिए बगैर अपने समाज के जरूरतमंदों का बहुमुखी विकास भी असंभव है।

पटेल समाज के सशक्तिकरण और सामाजिक समरसता विषयवस्तु पर आधारित इस राष्ट्रीय बुद्धिजीवी सम्मेलन में उप्र लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. एके वर्मा ने अपने विद्वत्तापूर्ण–सटीक उद्बोधन में समाज को आगे ले जाने के लिए संपर्क, सहयोग और संगठन के महत्व को रेखांकित किया। प्रदेश सरकार में मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि आपके बड़प्पन तभी सार्थक है।

प्रेस क्लब में छह फरवरी को अपराह्न तीन बजे किसान मजदूर संघर्ष पार्टी की होगी प्रेस कांफ्रेंस

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। छह फरवरी को तीन बजे प्रेस क्लब हजरतगंज में किसान मजदूर संघर्ष पार्टी की सामाजिक न्याय महासंकल्प विषय पर प्रेस कांफ्रेंस होगी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान प्रसाद राष्ट्रीय पदाधिकारी एवम प्रदेश पदाधिकारी और कई पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व संगठन के अध्यक्ष शामिल होंगे। विधि प्रकोष्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र मौलिक द्विवेदी किसान मजदूर संघर्ष पार्टी ने उक्त जानकारी दी।

जाबाज पूर्व सैनिक का ह्रदय गति रुकने से निधन – मेजर वीरेंद्र सिंह तोमर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मेजर वीरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज दि० 05 फरबरी 2024 दिन सोमवार प्रातरू ग्यारह बजे ग्राम पंचायत मिहोंनी माधौगढ़ में हवलदार अरविन्द कुमार सिंह राजावत पुत्र कैप्टन महेंद्र सिंह राजावत जी पंचतत्व में विलीन हो गए,जांवाज हवलदार राजावत जी सेना की कोर्प आफ सिग्नल में अटठारह बर्ष कठिन से कठिन परिस्थितियों में सेवाएं देने बाद ऐक्षिक सेवानिवृति होकर कानपुर में पी जी आई मैडिकल होसपिटल में देते हुए आज अचानक भरे पूरे परिवार एवं समाज को अलविदा कह पंचतत्व में विलीन हो गए उन्हें अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जनपद जालौन के पदाधिकारियों व तमाम गणमान्य नागरिकों ने राष्ट्रीय ध्वज के साथ सलामी के साथ अश्रुपूर्ण विदाई दी जिसमें अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जनपद जालौन के संरक्षक कैप्टन मास्टर सिंह, अध्यक्ष सूबेदार मेजर आशाराम दोहरे, उपाध्यक्ष सूवेदार रूपराम पाल, महासचिव कैप्टन गंगाराम पाल उपाध्यक्ष सूवेदार एच एस भदौरिया सूवेदार बलराम पाल सूवेदार अर्जुनसिंह सेंगर हवलदार रामावतार तिवारी,लैपटीनेन्ट रामशंकर राठौर सैनिक बन्धु कमेंटी उपाध्यक्ष कैप्टन महेंद्र सिंह राजावत, नायव सूबेदार परशुराम जी सूवेदार बाबूलाल घ्राठौर हवलदार पर्वत सिंह, हवलदार वीरेंद्र सिंह सूवेदार साधू सिंह, हवलदार दशरथ पाल, सूवेदार कराम आदि शामिल रहे।

बजट में प्रदेश के सर्वांगीण विकास की दूरदृष्टि दिखती है – व्यापारी नेता अमरनाथ मिश्रा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अमरनाथ मिश्रा अध्यक्ष लखनऊ व्यापार मंडल ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा आज पेश किए गए बजट में प्रदेश के सर्वांगीण विकास की दूरदृष्टि दिखती है जो कि अगर सही मानें तो केंद्र के अंतरिम बजट को आगे बढ़ाने वाला और उत्तर प्रदेश को विकास की ओर ले

जाने वाला एक कदम है ठीक है कि हर समाज की अपनी सरकार से कुछ अपेक्षाएं होती है लेकिन मौजूदा मुख्यमंत्री जी द्वारा जो विजन प्रस्तुत किया गया है प्रदेश के सर्वांगीण विकास का वह प्रशंसनीय हैं और निश्चित तौर पर जब इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ेगा बनेगा तब प्रदेश का व्यापारी समृद्ध होगा खुशहाल होगा हमें हर बार यह नहीं सोचना चाहिए कि हमें क्या मिला हमें यह भी देखना है कि हमारा देश हमारा प्रदेश सरकार के इन कदमों से उन्नति करेगा छोटी छोटी एवं कुछ बड़ी समस्या है जो इंस्पेक्टर राज के कारण उत्पन्न हुई है उनको भी मौजूदा सरकार के संज्ञान में डालकर को हल कराने का प्रयास लखनऊ व्यापार मंडल करेगा मगर आज का बजट प्रदेशको समृद्धि की तरफ ले जाने वाला एक वीजन है।

धारदार हथियार से महिला की हत्या, पत्थर से सिर भी कूंचा

प्रयागराज, संवाददाता। झूंसी थाना क्षेत्र के भतकार गांव में एक महिला की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। खून से लथपथ उसका शव रविवार को सुबह कछार इलाके में मिला। उसके गले को धारदार हथियार से रेता गया था और सिर भी पत्थर से कुचल दिया गया था। खून से सना पत्थर शव के पास ही पड़ा मिला।

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने साक्ष्य एकत्र कर मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है। रामाश्रय निषाद की पत्नी बिटोला देवी (45) शनिवार को दिनभर अपने पति व बेटे–बेटी के साथ खेत पर ही थी।

शाम को तकरीबन सात बजे पति,बेटा और बेटी घर लौट आए, लेकिन बिटोला नहीं लौटी।

रात तक उसके घर नहीं लौटने पर परिजनों को काफी चिंता होने लगी। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कहीं पता नहीं चला। महिला का शव कछार इलाके में खून से लथपथ मिला। उसके गले को धारदार हथियार से काटा गया था और सिर को पत्थर से कुचला गया था।

पत्थर भी शव के पास ही पड़ा मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन किया। परिजनों से भी घटना के बारे में पूछताछ की।

पूर्वांचल व्यापार मंडल ने की वन नेशन, वन टैक्स लगाने की मांग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राजधानी स्थित मटियारी चौराहा के निकट एमएलए गेस्ट हाउस चिनहट लखनऊ में पूर्वांचल व्यापार मंडल स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य प्रांतीय व्यापारी सम्मेलन एवं भव्य सम्मान समारोह संपन्न हुआ। सम्मान समारोह की अध्यक्षता पूर्वांचल व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सैनी तथा संचालन महामंत्री अशोक मिश्रा ने किया।समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि राज्य मंत्री राजेश्वर सिंह, पडरौना कुशीनगर के विधायक मनीष जायसवाल ने व्यापार तथा व्यापारी वर्ग की उन्नति हेतु शासन तथा प्रशासन से अपेक्षित सहयोग के लिए आश्वासन देते हुए व्यापारी बंधुओ के सम्मान में सदैव तत्पर रहने का वचन दिया। राष्ट्र की उन्नति में व्यापारी वर्ग के अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। सम्मान समारोह की अध्यक्षता कर रहे पूर्वांचल व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सैनी ने मुख्य अतिथि राज्य मंत्री राजेश्वर सिंह को दिए ज्ञापन में वन नेशन वन टैक्स लगाने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष राजेश सैनी ने ज्ञापन में कहा कि पूर्वांचल व्यापार संघ के पदाधिकारियों में से एक राज्य मंत्री या एमएलसी या फिर आयोग का सदस्य बनाए जाने की मांग की, जिससे व्यापारियों की मांगे शासन प्रशासन के समक्ष रखी जा सके। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर, भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।श्याम सिंह सैनी पूर्वांचल व्यापार संघ के प्रांतीय सलाहकार सरकार से मांग करते हुए कहा कि आईटीसी के तहत छोटे व्यापारियों को दो बार टैक्स न देना पड़े ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए। पूर्वांचल व्यापार मंडल के पदाधिकारी गण द्वारा स्वागत किया। समारोह में प्रमुख रुप से महंत परमानंद जी महाराज अयोध्या,पूर्व डिप्टी मेयर जितेंद्र सैनी गोरखपुर, श्याम सिंह सैनी पूर्वांचल व्यापार संघ के प्रांतीय सलाहकार, प्रदेश प्रभारी विजय प्रकाश पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र जायसवाल, प्रदेश महासचिव शिवजी सैनी, अयोध्या के जिलाध्यक्ष नीरज सैनी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बंका सिंह पटेल, लखनऊ अध्यक्ष हरि सैनी, हिंदू जागरण मंच के जिला प्रभारी रवि सिंह और प्रदेश के सभी जनपदों के जिला अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर व्यापारियों एवं पत्रकारों को सम्मानित किया गया। संचालन अशोक मिश्रा ने किया। अंत में महंत परमानंद जी महाराज ने शांति पाठ करके कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

बिना स्पष्ट सोच के शोध संभव नही: प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन के संगोष्ठी हाल में सोमवार को दो सप्ताह का कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम रिसर्च मेथाडोलॉजी डाटा एनालिसिस यूजिंग एसपीएसएस एंड एकेडमिक राइटिंग पर आधारित है। यह इंडियन काउंसिल आफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) नई दिल्ली के सौजन्य से किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं उच्च शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश के पूर्व चेयरमैन प्रोफेसर गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा के आयाम स्थाई होते हैं। समय, स्थान और विषय के अनुसार उसकी व्याख्या में परिवर्तन किया जाता है। उन्होंने कहा कि किसी विषय पर शोध तभी करिए जब आपके मन में उस पर कोई सोच और विचार हो। साथ ही इसमें स्पष्टता हो। कहा कि शोध ज्ञान के सृजन को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि विज्ञान, तकनीक समाज के लिए है, अगर इसमें दर्शन, दृष्टि और विचार नहीं हो तो यह समाज का विकास की जगह विनाश कर सकता है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम शिक्षकों के शैक्षणिक विकास के साथ–साथ उनके ज्ञान में वृद्धि हीं नहीं बल्कि उन्हें नई जानकारियों से भी अवगत करायगा। इससे आपको अपने को अपग्रेड के साथ–साथ अपने शोधार्थियों के निर्देशन में भी सहायता मिलेगी। इस तरह के प्रोग्राम से हम एक– दूसरे विश्वविद्यालय के लोगों के साथ सांस्कृतिक, शैक्षणिक संबंध भी बना सकते हैं। इससे आपको पब्लिकेशन में भी मदद मिलेगी। विशिष्ट अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय मानविकी संकाय के पूर्व संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर रामजी लाल ने विश्वविद्यालय में अपने कार्यकाल को विस्तृत रूप से वर्णन करते हुए कहा कि यह विभाग देश के कई विभागों में से एक रहा। अमेरिका में रह रहे यहां के विद्यार्थियों ने भी इस विभाग को काफी मदद पहुंचाया है। विभाग ने आईसीएसएसआर के कई ऐसे प्रोग्राम कराया जिसने रिसर्च की दिशा बदल दी। उन्होंने कहा कि यह फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम विश्वविद्यालय में एक नई वातावरण पैदा करेगा। कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह ने अतिथियों का स्वागत, सह समन्वयक डॉक्टर मनोज पांडेय ने कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम की रुपरेखा पर विस्तृत रुप से प्रकाश डाला। संचालन डॉ. अनु त्यागी और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने किया । इस अवसर पर प्रो. वीडी शर्मा, प्रो. एसके पाठक, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुधीर उपाध्याय समेत कई शिक्षक और प्रतिभागी उपस्थित थे।

रेल कोच रेस्टोरेंट का रुका कार्य जल्द होगा शुरू, रुका था काम

गोरखपुर, संवाददाता। स्टेशन के गेट नंबर पांच के पास लग रहे रेल कोच रेस्टोरेंट के निर्माण की एक बाधा दूर हो गई है। रेल प्रशासन स्टेशन के नए भवन निर्माण तक कोच रेस्टोरेंट का प्रवेश गेट मेन रोड की तरफ खोलने पर सहमत हो गया है। रेलवे ने गोमतीनगर, वाराणसी, बरेली और गोरखपुर में रेल कोच रेस्टोरेंट खोलने का निर्णय लिया था। इसमें से केवल गोरखपुर में ही यह रेस्टोरेंट भी चालू नहीं हो पाया है। दरअसल गोरखपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्निर्माण होना है। कोच रेस्टोरेंट बनाने वाली कंपनी के प्रोपराइटर रियाज खान का कहना है कि जिस जगह पर कोच रखा है, वहां एक पार्क भी विकसित करना है। जबकि, स्टेशन निर्माण के दौरान पार्क को बचाए रखना मुश्किल होगा।

इसके अलावा जिस जगह इस रेस्टोरेंट को खोलना है, वहां आसपास काफी गंदगी है। निर्माण कार्य के दौरान धूल उड़ने से भी रेस्टोरेंट का कार्य प्रभावित होगा। इन सब दिक्कतों के चलते ही कोच रेस्टोरेंट का कार्य ठप हो गया था। इस मामले को लेकर पहले सीनियर डीसीएम के स्तर पर प्रयास किया गया। इसके बाद टेंडर पाने वाली कंपनी और डीआरएम के बीच हुई वार्ता में यह तय हुआ कि जब तक स्टेशन भवन का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता, कोच रेस्टोरेंट का प्रवेश द्वार मेन रोड की तरफ खोला जाए और आसपास की गंदगी साफ कराई जाए, जिससे कि रेस्टोरेंट के शुरू होने पर आने वाले ग्राहकों को दिक्कत न हो। रेल कोच रेस्टोरेंट संचालक रियाज खान ने कहा कि हमारी कुछ आपत्तियां दूर हो गई हैं। डीआरएम ने जल्द ही आपत्तियों को दूर कराने का आश्वासन दिया है। अब फिर से काम शुरू कराया जाएगा। मार्च तक इसे पूरा कर रेस्टोरेंट शुरू कर दिया जाएगा। क्योंकि देर होने से आर्थिक नुकसान हो रहा है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।